Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 323 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | दुर्ग, मंगलवार 07 अक्टूबर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

दुश्मन की पनडुब्बियों की अब खैर नहीं, भारतीय नौसेना को कल मिलेगा 'साइलेंट किलर

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना अपने स्वदेशी निर्माण कार्यक्रम के तहत आईएनएस 'एंड्रोथ' को कमीशन करने जा रही है। यह भारतीय नौसेना का दूसरा एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट है। इसे सोमवार को नेवल डॉकयार्ड, विशाखापत्तनम में एक भव्य समारोह में नौसेना में शामिल किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्वी नौसेना कमान के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर उपस्थित रहेंगे।

आईएनएस एंड्रोथ का कमीशन होना भारतीय नौसेना की युद्धक क्षमता में वृद्धि और स्वदेशीकरण के प्रति उसकी सतत प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हाल के महीनों में नौसेना के बेड़े में कई अत्याधुनिक युद्धपोत शामिल हुए हैं। नौसेना के बेड़े में इस मजबूती से भारत की समुद्री शक्ति और तकनीकी दक्षता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

आईएनएस एंड्रोथ, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड, कोलकाता द्वारा निर्मित है। यह भारत की बढ़ती समुद्री आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस युद्धपोत में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है, जो 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के उद्देश्यों के अनुरूप है। यह पोत भारतीय नौसेना की उस सोच को मजबूत करता है, जो स्वदेशी तकनीक, नवाचार और घरेलू उद्योगों के सहयोग से उन्नत सैन्य क्षमताओं के विकास पर केंद्रित है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, आईएनएस एंड्रोथ के कमीशन से नौसेना की एंटी-सबमरीन वॉरफेयर क्षमताओं में उल्लेखनीय मजबूती आएगी। विशेष रूप से तटीय या उथले जलक्षेत्रों में पनडुब्बी खतरों से निपटने की दिशा में यह पोत काफी महत्वपूर्ण है।

हाल ही में नौसेना में शामिल हुए अर्नाला, निस्तार, उदयगिरी, निलगिरी और अब आईएनएस एंड्रोथ जैसे युद्धपोत भारतीय नौसेना के संतुलित और व्यापक विकास के प्रतीक हैं। ये सभी पोत भारत की 'आत्मनिर्भरता' की भावना को मूर्त रूप देते हैं। नौसेना के इन जहाजों में डिजाइन, निर्माण और तकनीकी विशेषज्ञता का अधिकांश हिस्सा भारतीय शिपयार्डों और उद्योगों से आता है। आईएनएस एंड्रोथ का कमीशन भारतीय नौसेना के उस विजन को भी साकार करता है, जो भारत को एक आत्मनिर्भर, सक्षम और आधुनिक समुद्री शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है।

14 नवंबर को नतीजे

दो चरण में होंगे बिहार में विधानसभा चुनाव, 6-11 नवंबर को वोटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार चुनाव की तारीखों का एलान हो चुका है। 243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरण में- 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा। 14 नवंबर को नतीजे आएंगे। पहले चरण में 6 नवंबर को121 सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं दूसरे चरण में 11 नवंबर को 122 सीटों पर वोटिंग होगी। इस बार राज्य में कुल 7.43 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें लगभग 14 लाख नए मतदाता शामिल हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे।

इससे पहले अमर उजाला ने बताया था कि आयोग दो चरणों में चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। एक दिन पहले ही निर्वाचन आयोग की तीन सदस्यीय टीम बिहार से दो दिवसीय समीक्षा यात्रा पूरी कर रविवार को दिल्ली लौट आई। सूत्रों के अनुसार, इस बार तीन के बदले दो चरणों का प्रस्ताव प्रवासी बिहारियों की छठ के बाद वापसी को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। छठ के बाद पहले चरण में उत्तरी और मध्य जिलों को शामिल करने से मतदाता भागीदारी बढ़ सकती है।

बिहार में नई व्यवस्था के तहत होंगे चुनाव

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि निर्वाचन आयोग बिहार के आगामी विधानसभा चुनावों में 17 नई पहल लागू करने जा रहा है। इनमें से कुछ पहल मतदान प्रक्रिया से पहले, कुछ उसके दौरान और कुछ प्रक्रिया खत्म होने के बाद से संबंधित हैं। कुमार ने कहा, पहली बार 100 फीसदी मतदान केंद्रों पर वेबकास्ट की सुविधा लागू की जा रही है। 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव 22 नवंबर को कार्यकाल पूरा होने से पूर्व कराए जाएंगे।

दो दिन तक बिहार में चुनाव तैयारियों की समीक्षा के बाद पटना में सीईसी ने कहा, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने 22 वर्षों के बाद बिहार की मतदाता सूची को शुद्ध किया है। राज्य विधानसभा चुनावों के लिए कई नई पहल की जा रही हैं और आने वाले समय में इन्हें पूरे देश में दोहराया जाएगा। मतदाता सूची का शुद्धीकरण पूरे देश में किया जाएगा। कुमार ने कहा, इन 17 पहलों में नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) शामिल है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मतदाता के रूप में पंजीकरण के 15 दिनों के भीतर पहचान पत्र मिल जाए। सभी मतदान केंद्रों पर मोबाइल फोन जमा करने की सुविधा मिलेगी।

कुमार ने एसआईआर के फैसले का बचाव करते हुए कहा, एसआईआर कराना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत कानूनी और अनिवार्य दोनों है। अब भी जुड़वा सकते हैं नाम- सीईसी ने यह भी कहा कि अगर किसी को एसआईआर के जरिये मतदाताओं के नाम जोड़ने या हटाने को लेकर कोई शिकायत है, तो वे जिला मजिस्ट्रेट के पास अपील कर सकते हैं। नामांकन से 10 दिन पूर्व तक नाम हटाए या जोड़े जा सकते हैं।

भारत निर्वाचन आयोग ने जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, झारखंड, तेलंगाना, पंजाब, मिजोरम और ओडिशा की कुल 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का एलान किया है। इन उपचुनावों की अधिसूचना 13 अक्टूबर 2025 को जारी की जाएगी। नामांकन की अंतिम तिथि जम्मू-कश्मीर और ओडिशा के लिए 20 अक्टूबर, जबकि अन्य राज्यों के लिए 21 अक्तूबर तय की गई है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अक्तूबर (राजस्थान में 23 अक्तूबर) को होगी, और उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख 24 अक्तूबर (राजस्थान में 27 अक्टूबर) है। मतदान 11 नवंबर 2025 (मंगलवार) को होगा और मतगणना 14 नवंबर 2025 (शुक्रवार) को की जाएगी। जम्मू-कश्मीर की बडगाम सीट से उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे और नगरोटा सीट पर देवेंद्र सिंह राणा के निधन के कारण उपचुनाव हो रहे हैं।

हादसा सबको दिखा पर जिम्मेदार कोई नहीं हसौद की घटना पर उठे सवाल

कब जागेगा सिस्टम हसौद सब स्टेशन हादसा पर कार्यवाही नहीं जनता में आक्रोश

सक्ती(समय दर्शन)। जिले क्षेत्र के हसौद सब स्टेशन के पास बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही के चलते एक दर्दनाक हादसा हो गया था बीते दिनों मरम्मत कार्य के दौरान बिना सूचना बिजली सप्लाई चालू कर दी गई, जिससे काम कर रहे ठेका कर्मी के तीन मजदूर करंट की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। हादसे के बाद विभाग ने न तो कोई आधिकारिक बयान जारी किया है और न ही लापरवाह लाइनमैन या संबंधित कर्मचारियों पर अब तक कोई कार्रवाई की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना हसौद सब स्टेशन से महज 200 मीटर की दूरी पर हुई। ठेकेदार द्वारा विभाग से विधिवत अनुमति लेकर मेंटेनेंस कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक सप्लाई चालू हो गई, जिससे लोहे के पोल और तारों में करंट दौड़ गया और पास ही कार्य कर रहे तीन मजदूर उसकी चपेट में आ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब लाइनमैन ने ऑपरेटर को फोन कर लाइन चालू करने के निर्देश दिए, जबकि मरम्मत का कार्य चल रहा था। यह पूरी तरह से नियमों के खिलाफ है। लाइन चालू करने से पहले फील्ड से क्लियरेंस लेना अनिवार्य होता है, जिसे नजरअंदाज किया गया।

झुलसे मजदूरों की हालत गंभीर

झुलसे मजदूरों को तत्काल उप स्वास्थ्य केंद्र हसौद लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला चिकित्सालय जांजगीर रेफर कर दिया गया था घायलों की हालत गंभीर बनी हुई थी न विभाग बोले, न अधिकारी सामने आए हादसे को कई दिन बीत जाने के बावजूद न तो बिजली विभाग की ओर से कोई प्रेस नोट जारी किया गया है और न ही जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई की गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह विभाग की पुरानी आदत बन चुकी है — जब तक दबाव न बने, कोई जवाबदेही तय नहीं होती।

जिम्मेदारों को बचाया जा रहा है। आम जनता क्षेत्रवासियों का आरोप है कि हसौद सब स्टेशन के अधिकारी एवं कर्मचारी लंबे समय से मनमाने ढंग से काम कर रहे हैं। पहले भी इस तरह की कई शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन हर बार मामला दबा दिया जाता है। लोगों का कहना है कि इस बार भी मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की जा रही है।

प्रशासनिक चुप्पी पर उठे सवाल

स्थानीय प्रशासन, खासकर कलेक्टर और बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को इस गंभीर घटना की पूरी जानकारी है। इसके बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जनता सवाल उठा रही है कि आखिर किस दबाव में अधिकारी मौन हैं?

जन संगठनों ने दी चेतावनी

मजदूर संघों और सामाजिक संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई और पीड़ितों को मुआवजा नहीं मिला, तो वे जनआंदोलन की राह पर उतरेंगे।

क्या कहते हैं नियम?

बिजली विभाग के नियमों के अनुसार, मेंटेनेंस कार्य के दौरान लाइन को अंडर शटडाउन रखा जाता है और फील्ड से अनुमति मिलने के बाद ही बिजली आपूर्ति दोबारा चालू की जाती है। इस मामले में नियमों की सीधी अनदेखी हुई है, जो न सिर्फ अनुशासनहीनता है बल्कि यह एक आपराधिक लापरवाही भी मानी जाती है।

संपादकीय टिप्पणी

यह घटना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की असंवेदनशीलता और जवाबदेही के अभाव का उदाहरण है। अगर ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो न केवल कर्मचारियों की जान जोखिम में पड़ी रहेगी बल्कि जनता का प्रशासन से भरोसा भी उठ जाएगा।

नौसेना के नए पोतों का नामकरण होगा छत्तीसगढ़ की नदियों के नाम पर

प्रदेश में सेना भर्ती रैली का प्रस्ताव

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके निवास पर सौजन्य मुलाक़ात की। बैठक में बिलासपुर एयरपोर्ट के विस्तार, रक्षा क्षेत्र के विकास, पूरे प्रदेश में सेना भर्ती रैलियों के आयोजन एवं नौसैनिक पोतों के नामकरण जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री श्री तोखन साहू और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बैठक के दौरान रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह को अवगत कराया कि बिलासपुर में रक्षा मंत्रालय की भूमि है। इस भूमि को उन्होंने बिलासपुर एयरपोर्ट के विस्तार के लिए उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने यहां रक्षा क्षेत्र से संबंधित विकासात्मक कार्य भी आरंभ करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि छत्तीसगढ़ में सेना में भर्ती होने के प्रति युवाओं में विशेष उत्साह है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं में अनुशासन, शारीरिक क्षमता और देशभक्ति की भावना है। इस आधार पर उन्होंने रक्षा मंत्री से आग्रह किया कि पूरे प्रदेश में विशेष सेना भर्ती रैलियों का आयोजन किया जाए, जिससे युवाओं को अपने ही प्रदेश में देश सेवा का अवसर मिल सके। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य की सांस्कृतिक पहचान और गौरवशाली परंपराओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की नदियाँ — इंद्रावती, महानदी — केवल जलस्रोत नहीं, बल्कि प्रदेश की आत्मा हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि रक्षा मंत्रालय जब भी नए नौसैनिक पोतों या जहाजों को लॉन्च करे, तो उनमें से कुछ का नाम छत्तीसगढ़ की नदियों और क्षेत्रों के नाम पर रखा जाए, जैस **INS** इंद्रावती, **INS** महानदी या **INS** बस्तर।

67 किमी में होंगे सात फ्लाईओवर, चार आरओबी व 16 अंडरपास

अयोध्या को 2028 में मिलेगा रिंग रोड का तोहफा, निर्माण शुरू

परियोजना पर आएगी 3418 करोड़ की लागत, सरयू पर दो पुल भी हैं प्रस्तावित

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक नगरी अयोध्या को जल्द ही एक बड़ा उपहार मिलने वाला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उस उपहार की नींव भी रखा दी है। यह उपहार कुछ और नहीं बल्कि बहुप्रतिष्ठित रिंग रोड है। परियोजना पर कार्य शुरू हो गया है। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो लक्ष्य है की 2028 तक इस पर सरपट वाहन दौड़ेंगे। यह परियोजना न केवल अयोध्या की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी, बल्कि पर्यटन और आर्थिक विकास को भी नई गति प्रदान करेगी।

लगभग 3418 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस 67.50 किलोमीटर लंबे और 60 मीटर चौड़े रिंग रोड पर सात फ्लाईओवर, चार रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी), 16 वाहन अंडरपास, 11 मेजर ब्रिज और 18 माइनर ब्रिज का निर्माण शामिल है। इसके अलावा सरयू नदी पर दो भव्य पुलों का निर्माण भी प्रस्तावित है, जो अयोध्या को बस्ती और गोंडा से जोड़ेंगे।

यह परियोजना अयोध्या को राष्ट्रीय राजमार्गों जैसे एनएच 27 (लखनऊ-गोरखपुर), एनएच 330 ए (अयोध्या-रायबरेली), एनएच 330 (अयोध्या-प्रयागराज), और 135 ए (अयोध्या-वाराणसी वाया अम्बेडकर नगर) से जोड़ेगी। इसके अतिरिक्त अयोध्या-गोंडा मार्ग को भी इस रिंग रोड से जोड़ा जाएगा। यह परियोजना अयोध्या के यातायात को सुगम बनाने के साथ-साथ तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए आवागमन को और आसान बनाएगी। परियोजना के तहत सरयू नदी पर दो पुलों का निर्माण विशेष रूप से उल्लेखनीय है। पहला पुल राजेपुर के पास अयोध्या को बस्ती से जोड़ेगा, जबकि दूसरा पुल ढ़ेमुवा घाट अप साइड पर अयोध्या-गोंडा मार्ग को जोड़ेगा। इसके अलावा अयोध्या से वाराणसी, प्रयागराज, लखनऊ और मनकापुर की रेलवे लाइनों पर चार आरओबी का निर्माण होगा, जो रेल और सड़क यातायात के बीच तालमेल सुनिश्चित करेगा। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम के अनुसार परियोजना के लिए आवश्यक जमीन अधिग्रहण का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। 90 फीसदी से अधिक जमीन का अधिग्रहण हो चुका है, जिससे परियोजना को गति मिली है। वर्तमान में छह मेजर ब्रिज, दो माइनर ब्रिज, छह फ्लाईओवर और 13 वाहन अंडरपास पर निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। कार्यदायी संस्था मेसर्स सीगल अयोध्या बाईपास हाइवे प्राइवेट लिमिटेड ने परियोजना पर तेजी से काम शुरू की कर दिया है।

हिमाचल में समय से 20 दिन पहले बर्फबारी, पहाड़ों ने ओढ़ी सफेद चादर; सैलानियों के चेहरे खिले

शिमला। मानसून की विदाई के तुरंत बाद हिमाचल प्रदेश की ऊंची चोटियों ने बर्फ की सफेद चादर ओढ़ ली है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से रविवार (5 अक्टूबर) को प्रदेश के कई हिस्सों में इस सीजन की पहली बर्फबारी दर्ज की गई, जो आमतौर पर होने वाले समय से करीब 20 दिन पहले है। इस बर्फबारी से जहां तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आई है, वहीं पर्यटन स्थलों पर सैलानियों के चेहरे खिल उठे हैं। मौसम विभाग ने आज (सोमवार, 6 अक्टूबर) के लिए भी कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगी

पुलिस नोटिस के बाद भी नहीं पहुंची परियोजना अधिकारी रचिता नायडू

दुर्ग/समय दर्शन

महिला एवं बाल विकास विभाग में पदस्थ जिला परियोजना अधिकारी रचिता नायडू पर 10 लाख रुपए की ठगी का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। आरोपी पर युवती को जिला बाल संरक्षण अधिकारी की नौकरी दिलाने का झांसा देकर गहने गिरवी रखवाकर लाखों रुपए ऐंठने का आरोप है। मामले में दुर्ग कोतवाली पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है, लेकिन नोटिस जारी होने के बावजूद रचिता नायडू अब तक पुलिस के सामने पेश नहीं हुई है।

पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल

पुलिस ने आरोपी रचिता नायडू को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा था, लेकिन वह हाजिर नहीं हुई। इससे पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं कि विभागीय अधिकारी होने के बावजूद आरोपी अब तक खुलेआम घूम रही है और गिरफ्त से दूर है। सुत्रो से मिली जानकारी के अनुसार रचिता नायडू के द्वारा अन्य पीड़ितों को शिकायत नहीं करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है एवं आपसी समझौता करने की खबर आ रही है।

और भी पीड़ित हो सकते हैं सामने

जांच के दौरान पुलिस ने आशंका जताई है कि इस मामले में और भी लोग शिकार हो सकते हैं। ठगी की रकम और पीड़ितों की संख्या बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा। पुलिस ने आगे आकर शिकायत दर्ज कराने के लिए संभावित पीड़ितों से अपील की है।

विभागीय कार्यवाही न होने से उठ रहे सवाल

महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी पर गंभीर आरोप लगे होने के बावजूद विभागीय स्तर पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महिला अधिकारी को किसी बड़े विभागीय अधिकारी के साथ ही राजनीतिक संरक्षण भी प्राप्त हो रहा है।

अब देखना यह होगा कि दुर्ग पुलिस आरोपी को कब तक गिरफ्तार कर पाती है और क्या अन्य पीड़ित सामने आकर इस ठगी कांड का और बड़ा खुलासा करेंगे।

> ठगी के मामले में महिला बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी रक्षित नेहरू को रचित न्यायाधु नोटिस जारी किया गया था लेकिन वह उपस्थित नहीं हुई दोबारा से नोटिस जारी किया जा रहा है वहीं अन्य पीड़ितों को शिकायत दर्ज करने की कहा गया है।
>
> **तालेश्वर नेताम**
> **थानाध्यक्ष सिटी कोतवाली दुर्ग**

मेडिकल जगत का अजूबा! 4 साल के बच्चे की नाक में उग आया दांत; एम्स के डॉक्टरों ने दी नई जिंदगी

गोरखपुर। डॉक्टरों को क्यों भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है, इसका एक बेहतरीन उदाहरण उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में देखने को मिला है। यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के डॉक्टरों ने एक बेहद दुर्लभ और जटिल ऑपरेशन कर चार वर्षीय मासूम की नाक के अंदर से दांत निकालकर उसे नई जिंदगी दी है। बच्चा पिछले छह महीने से असहनीय दर्द से तड़प रहा था और उसे सांस लेने में भी तकलीफ हो रही थी। पूर्वांचल में अपनी तरह का यह पहला सफल ऑपरेशन है।

गोरखपुर के चौरीचौरा निवासी चार साल के बच्चे को पिछले छह महीने से जबड़े और नाक के पास असहनीय दर्द हो रहा था।

2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी प्रकार की सिरप नहीं दी जाएगी, एडवाइजरी जारी

छीसगढ़ सरकार का बड़ा फैसला

रायपुर (समय दर्शन)। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि दो वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी प्रकार की खांसी की सिरप या सर्दी-जुकाम की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए।

साथ ही, यह दवाएं सामान्यत: पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए भी अनुशंसित नहीं हैं। यह कदम शिशुओं को संभावित दुष्प्रभावों से बचाने और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

एडवाइजरी जारी होते ही छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने तत्परता से कार्यवाही करते हुए सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (ष्टरू॥ह्र) तथा सिविल सर्जनों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। सभी शासकीय और निजी स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि भारत सरकार की इस गाइडलाइन का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें।

साथ ही आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा इस संबंध में एक उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सभी जिलास्तरीय विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि खांसी या सर्दी की दवाओं का उपयोग केवल चिकित्सकीय परामर्श पर आधारित होना चाहिए, तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

निराश्रित एवं बेसहारा गरीब परिवार का सहारा बनी जगतगुरु तत्वदर्शी संत रामपाल महाराज की अन्नपूर्णा मुहिम

पाटन (समय दर्शन)। संत रामपाल जी महाराज के द्वारा चलाई गई अन्नपूर्णा मुहिम के तहत दो परिवारों को दिनांक 3/10/2025 दिन शुक्रवार को राहत सामग्री दी गई पहला परिवार ग्राम – कोपेडीह, तहसील पाटन, जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ मे आवश्यक वस्तुओं को गरीब परिवार तक पहुंचाया गया। बता दें कि परिवार की मुखिया मनदयाल शर्मा जिनकी उम्र 35 वर्ष है इस गांव के निवासी हैं परिवार में पत्नी ज्योति शर्मा के अलावा चार छोटे बच्चे भी हैं जिनका गुजर – बसर बहुत ही कठिनाइयों से होता था। परिवार के मुखिया मनदयाल को फेफड़े की बीमारी एवं हार्ट में ब्लड जमा हो जाने के कारण पैरों में सुजन बनी रहती है जिस कारण से कहीं पर में काम करने में सक्षम नहीं है चारों बच्चे सरकारी स्कूल में पढ़ते है लेकिन कापी पुस्तक एवं ड्रेस के लिए पैसों की कमी होती थी इनकी पत्नी ज्योति शर्मा कभी कभी केटरिंग में काम मिलने पर किचन का काम करने जाती थी बाकि समय पति और बच्चों के देखभाल करने में निकल जाता था इस प्रकार इस परिवार का जीवन जीना बहुत ही तकलीफदेय हो गया था। तब इस परिवार को सोशल मीडिया के माध्यम से संत रामपाल महाराज जी द्वारा चलाए गए अन्नपूर्णा मुहिम की जानकारी हुई जिसमें संत जी का नारा है, रोटी, कपड़ा, शिक्षा, चिकित्सा और मकान हर गरीब को देगा कबीर भगवान को देखकर सतलोक आश्रम धनाना जिला सोनीपत हरियाणा में संपर्क कर मदद मांगी गई संत जी का आदेश आते ही संत जी के शिष्यों के द्वारा इस निराश्रित परिवार को अन्न एवं रसोई के जरूरी समान के साथ साथ चारपाई, गद्दा, पंखा, कुर्सी, चादर, कंबल, बर्तन, पूरे परिवार के लिए पहनने के लिए कपड़े, बच्चों के लिए स्कूल की कॉपी, जूते, स्कूल बैग जैसे जरूरी समान देकर नि:शुल्क मदद की गई।

इसी प्रकार दूसरा परिवार श्रीमती आशा रात्रे, पत्नी स्व. राकेश रात्रे ग्राम जामगांव एम, तहसील पाटन जिला दुर्ग के परिवार को तीसरी बार राशन सामग्री एवं बच्चों के लिए कपड़े दिए गए। राकेश रात्रे का निधन हो गया है जो किडनी की गंभीर बीमारी से पीड़ित थे और डायलिसिस पर थे इस परिवार का भी गुजर – बसर करना बहुत ही कठिन हो रहा था तब संत जी द्वारा चलाई गई अन्नपूर्णा मुहिम इस परिवार का सहारा बनी और प्रथम बार 5/8/2025 को मदद की गई। यह जानकारी संत रामपाल महाराज जी के शिष्य खेमेंद्र साहू, राम नरेश महतो, मुकेश सिन्हा, कौशल यादव, ठक्कर दास, शैलश साहू एवं अन्य शिष्यों ने दी साथ ही यह भी बताया गया इन परिवारों की मदद तब तक की जाएगी जब तक इन परिवारों की स्थिति सामान्य नहीं हो जाती या परिवार में कोई काम करने लायक नहीं हो जाता चाहे ये मदद की सेवा इन परिवारों को आजीवन ही क्यों न करनी पड़े नि:शुल्क सेवा जारी रहेगी।

संक्षिप्त-खबर

स्वामी आत्मानंद जी की जयंती पर नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, अधिकारी एवं पार्षदों ने कि श्रद्धासुमन अर्पित

पाटन (समय दर्शन)। मानव समाज के कल्याण और आध्यात्मिक उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले रामकृष्ण आश्रम के संस्थापक स्वामी आत्मानंद जी की जयंती के अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने आत्मानंद चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित की। इस अवसर पर अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने कहा कि स्वामी आत्मानंद जी ने समाज में सेवा, त्याग और करुणा के आदर्श स्थापित किए। उनका जीवन हमें नि:स्वार्थ सेवा और मानवता की भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। आगे कहा कि स्वामी जी के विचार आज भी समाज को दिशा देने वाले हैं और उनके आदर्शों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि है इस अवसर पर उपाध्यक्ष निशा सोनी, सभापति केवल देवांगन, जितेन्द्र निर्मलकर, पार्षद चंद्रप्रकाश देवांगन, अन्नपूर्णा पटेल, संगीता पटेल, भागवत वर्मा, मिलन देवांगन, योगेश सोनी, रोहित देवांगन, लोकेश पटेल, अरुण देवांगन, विजयकांत बंछोर, बब्बू भाले, घनश्याम सोनी, आदित्य सावर्णी, किरण बंछोर आदि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजुकेशन कि सचिव ने लिखा खुला खत, अपंजीकृत डायोसिस हस्तक्षेप करना बंद करें

बिलासपुर/रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़एजुकेशन की वैध सचिव शशि वाघे ने छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़एजुकेशन के सभी संस्था प्रमुखों को एक खुला खत लिखा है की बिशप सुषमा कुमार, नितिन लॉरेंस, जयदीप रॉबिंसन की कमेटी अवैध घोषित हो चुकी है। अपंजीकृत संस्था धार्मिक छत्तीसगढ़ डायोसिस वा भंग किए गए पूर्व समिति के सभी सदस्यों को चेतावनी दी जाती है की कानूनी आदेशों के परिपालन की प्रक्रिया में हस्तक्षेप ना करें और कृपया हमारी संस्था के कर्मचारियों को दिघभ्रमित ना करें ना ही संस्था में प्रवेश करें।

29.9.2025 को रजिस्टर के आदेश के बाद छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़एजुकेशन के नितिन लॉरेंस वाली समिति भंग हो गई/विधि शून्य हो गई उसके सारे आदेश निरस्त/शून्य/स्थगित हो गए पत्र में कहा गया है कि अपंजीकृत संस्था डायोसिस का पंजीकृत संस्था छत्तीसगढ़ बोर्ड ऑफ़एजुकेशन के ऊपर कोई दबाव नहीं हो सकता।

आज जब यह पत्र ईसाई समाज के विभिन्न ग्रुप में वायरल हो रहा है तो स्पष्ट है कि दशहरा अवकाश के बाद जैसे ही स्कूल खुलेगा नई कमेटी जिसके पास रजिस्टर का आदेश है अब खुलकर काम करेंगे। बैंकों में जो खाते संचालित हैं उनमें संचालन के लिए नए सिरे से हस्ताक्षर ऑथराइजेशन के काम होंगे। गलत तरीके से जिन स्कूलों में अयोग्य कर्मचारियों को प्राचार्य बनाया गया उन्हें उनके मूल पद पर वापस भेजा जाएगा। आने वाले कुछ दिन छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़एजुकेशन और उसके स्कूलों के लिए चुनौती भरे होंगे।

आलोक ठाकुर का आज आगमन

दुर्ग (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर अपनी नियुक्ति के पश्चात प्रथम दुर्ग जिला आगमन 7 अक्टूबर, मंगलवार को 11:00 बजे दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में आगमन हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी एवं किसान मोर्चा के द्वारा दुर्ग के पटेल चौक में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष भव्य स्वागत के पश्चात जिला भाजपा कार्यालय में स्वागत कार्यक्रम एवं किसान मोर्चा की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया है आयोजित कार्यक्रम में समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपनी उपस्थिति अवश्य प्रदान करें।

छत्तीसगढ़ के नौकरशाह भ्रष्ट हैं, ननकी और शेषराज ने बताया

बिलासपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य के ब्यूरोक्रेसी के आधार स्तंभ आईएएस अधिकारी भ्रष्ट हैं और ये बात सत्ता और विपक्ष दोनों ने बता दी। पहले विपक्ष की उसे विधायक की बात करें जिसने रेत घाट का एक दलाल रोशन और पामगढ़ की महिला विधायक की ऑडियो है। हालांकि विधायक ने बाद में इस ऑडियो को एआई तकनीक वाला बताकर ऑडियो को ठंडे बस्ते में डाला। पूरे ऑडियो में विधायक एक से अधिक भाग रोशन को यह बताती है कि कलेक्टर का हिस्सा देना जरूरी है और इतना जरूरी है कि वह अपने कट को पूरा कलेक्टर को दे देगी। जिससे रेत की दलाली सुचारू रूप से निर्वाद चले।

सत्ता पक्ष के पूर्व विधायक, पूर्व गृहमंत्री जिनका कद राजनीति में बड़ा है वे मध्य प्रदेश के समय भारतीय जनता पार्टी सरकार में जनशक्ति नियोजन विभाग के कैबिनेट मंत्री थे। बाद में छत्तीसगढ़ में गृहमंत्री बने हां हम बात कर रहे हैं ननकी राम कंवर की उन्होंने कोरबा के कलेक्टर को भ्रष्ट बताया और इस संबंध में हर उचित फोरम को चिट्ठी लिखी। कोरबा जिले का कलेक्टर भ्रष्ट होता है यह अकाट्रिय सच्चाई है। फिर सरकार किसी की भी हो मुख्यमंत्री रमन सिंह हो, भूपेश बघेल हो या फिर विष्णु देव साय तो यह खबर का विश्लेषण की छत्तीसगढ़ की आईईएस लावी नौकरशाही भ्रष्ट है सिद्ध है पर इस पत्तलकार लिखते नहीं डरते हैं जनसंपर्क विभाग मुख्यमंत्री के पास है और जनसंपर्क का सचिव आईईएस होता है। विज्ञापन बंद कर देगा अधिमान्यता पर संकट आ जाएगा और सस्ता और विपक्ष दोनों को आइना दिखाना इन्हें आता ही नहीं।

बिरनपुर में भाजपा के साम्प्रदायिक हिंसा का पर्दाफाश : कांग्रेस

राजनांदगांव (समय दर्शन)। बिरनपुर हत्याकांड एवं साम्प्रदायिक हिंसा मामले में सीबीआई द्वारा विशेष अदालत में जार्चशीट पेश करने के बाद तस्वीर साफहो गया है कि चुनावी लाभ लेने के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा षड्यंत्र रचा था। भाजपा के इस षड्यंत्र को आम जनता तक पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के आदेशानुसार 05 अक्टूबर रविवार को राजनांदगांव प्रभारी खुज्जी विधायक भोलाराम साहू, शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा व जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू द्वारा प्रेसवार्ता लेकर जानकारी दी।

विधायक भोलाराम साहू ने प्रेसवार्ता में बताया कि बिरनपुर हत्याकांड हिंसा में सीबीआई ने चार्जशीट में घटना का विस्तृत विवरण दिया है, जिसमें स्पष्ट हुआ है कि यह घटनाक्रम दो बच्चों के झगड़े से शुरू होकर दो परिवारों तक पहुंचा और बाद में यह दो समुदायों का झगड़ा बन गया। सीबीआई ने अपने जांच में पाया कि इस घटना में कोई राजनैतिक षड्यंत्र नहीं था, यह एक मामूली झगड़ा था, जिसने खूनी रूप ले लिया। सीबीआई जांच के बिन्दु भाजपा सरकार ने तय किया था यदि जांच के बिन्दु में घटना के बाद के राजनैतिक षड्यंत्र होता तो भाजपा बेनकाब हो जाती। बिरनपुर मामले में सीबीआई की चार्जशीट से साफ हो गया कि उस समय भाजपा ने तत्कालिन कांग्रेस सरकार और कांग्रेस पार्टी पर जो आरोप लगाया था वह झूठा था। यह आरोप भाजपा की चुनावी लाभ लेने के उद्देश्य से की गई राजनैतिक साजिश थी। सीबीआई की चार्जशीट ने भाजपा का काला चेहरा सामने रख दिया। भाजपा ने उस समय को साम्प्रदायिक और जातीय रंग देकर राजनैतिक लाभ लेने का षड्यंत्र रचा था। तत्कालिन भाजपा अध्यक्ष अरूण साव घटना के बाद वहां जाकर पूरे घटनाक्रम को साम्प्रदायिक रंग देने का प्रयास किए और उसमें वे सफल भी रहे। अरूण साव जब घटनास्थल गये थे, तब उनके सामने आगजनी की गयी थी, वे वहां पर भड़काऊ भाषण दिये थे। इस मामले को लेकर भाजपा ने एक समाज को कांग्रेस के खिलाफ भड़काने का प्रयास किया। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में भी पूरे प्रदेश में इस झगड़े को साम्प्रदायिक रंग देने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने अपनी चुनावी सभा में दुर्भाग्यजनक घटना को धार्मिक और जातीय झगड़े से जोड़ के प्रस्तुत किया। भाजपा ने मृतक भुनेश्वर के पिता ईश्वर साहू को टिकिट देकर सहानुभूति बटोरने की साजिश किया।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा फर्जी वोट करके, हत्याकांड, दंगाफसा कराके, जनता के जनमत को किनारे कर, साम्प्रदायिकता बढ़ा रही है। सत्ता की चाह रख इस मामूली विवाद को साम्प्रदायिक बनाने का प्रयास किया गया। सीबीआई की जांच यह भी साफहो गया कि उस समय कांग्रेस की सरकार ने जो कार्यवाही की, घटना के लिए जिम्मेदार मानकर जिन लोगों की गिरफ्तारियां की वह सही थी। भाजपा ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण का झूठा और मनगढ़त आरोप लगाया था तथा भाजपा नेताओं ने उस समय राजनैतिक लाभ लेने ध्रुवीकरण के लिए गलत बयानी किया था। ईश्वर साहू भी अपने बयानों में जिस व्यक्ति अंजोर यदु पर आरोप लगाते थे, उसे भी सीबीआई ने दोषी नहीं माना है, सीबीआई की चार्जशीट में इसका कोई उल्लेख नहीं है। इससे साफहै कि बिरनपुर मामला भाजपा की सोची समझी साजिश थी।

जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू ने कहा कि भाजपा के इस षडयंत्र का कांग्रेस को राजनैतिक रूप से नुकसान हुआ। सीबीआई की चार्जशीट के बाद तत्कालिन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने जरा भी नैतिकता हो तो अपने पद से त्यागपत्र देकर छत्तीसगढ़ की जनता से माफी मांगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह अपने गैर जिम्मेदाराना भाषण के लिए छत्तीसगढ़ की जनता से माफी मांगे। प्रेसवार्ता में प्रमुख रूप से शहर कांग्रेस संभागीय प्रवक्ता कमलजीत सिंह पिन्टू, पीसीसी प्रवक्ता रूपेश दुबे, पंकज बांधव, उपाध्यक्ष विकास त्रिपाठी, मोहम्मद यहया, महामंत्री अमित चंद्रवंशी, विशु अजमानी सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

एनएचएम कर्मचारियों ने दिवाली से पहले वेतन वृद्धि व बोनस आदेश की उठाई मांग

राजनांदगांव (समय दर्शन)। दिवाली से पहले राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के हजारों संविदा कर्मचारियों ने सरकार से 5 प्रतिशत वेतन वृद्धि और 5 प्रतिशत वार्षिक बोनस का आदेश शीघ्र जारी करने की मांग की है। कर्मचारी संघ का कहना है कि अगस्त–सितंबर में 33 दिनों तक चले आंदोलन के दौरान सरकार ने जिन मांगों पर सहमति दी थी, उनमें से कई अभी तक आदेश की शक्ल नहीं ले सके हैं।

एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. अमित कुमार मिरी और प्रदेश प्रवक्ता पुरन दास ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि सरकार द्वारा घोषित 27 प्रतिशत लंबित वेतन वृद्धि में से 5 प्रतिशत वृद्धि और सीआर के आधार पर मिलने वाले वार्षिक बोनस की राशि का आदेश अब तक जारी नहीं किया गया है।

गौरतलब है कि 18 अगस्त से 19 सितंबर तक प्रदेशभर के एनएचएम कर्मचारी नियमितीकरण, संविलियन, ग्रेड पे निर्धारण और लंबित वेतन वृद्धि सहित कई मांगों को लेकर हड़ताल पर रहे थे। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री सहित विभागीय अधिकारियों से कई दौर की बातचीत हुई और कुछ प्रमुख मांगों पर सहमति बनी। इनमें 27 प्रतिशत लंबित वेतन वृद्धि में से 5 प्रतिशत का आदेश शीघ्र, वार्षिक बोनस हेतु सीआर प्रक्रिया में पारदर्शिता, 30 दिन सवैतनिक चिकित्सा अवकाश एवं 5 लाख रूपये की कैशलेस चिकित्सा सुविधा शामिल हैं।

संघ ने अपील की है कि कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए दिवाली से पूर्व सहमति बिंदुओं पर आदेश जारी किए जाएं, ताकि संविदा कर्मचारी भी यह त्योहार सम्मान और खुशी से मना सकें।

हड़ताल के दौरान बर्खास्त किए गए 25 कर्मचारियों की पुनर्बहाली को लेकर भी संघ ने सरकार से विशेष आग्रह किया है।

संघ ने जानकारी दी कि ग्रेड पे निर्धारण, अनुकंपा नियुक्ति एवं नियमित भर्ती में आरक्षण तय करने हेतु तीन सदस्यीय समिति बनाई गई है, जो तीन माह में अपनी रिपोर्ट देगी। वहीं नियमितीकरण और संविलियन संबंधी मामलों पर केंद्र सरकार से मार्गदर्शन हेतु राज्य सरकार ने पत्र भी भेजा है।

संघ का कहना है कि सभी कर्मचारी अब सेवा में लौट चुके हैं और पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। अब सरकार की बारी है कि वह दिवाली पूर्व अपने वादों को निभाकर कर्मचारियों को सम्मान और विश्वास का उपहार दे।

महाविद्यालय पाटन में अव्यवस्थाओं का बढ़ता अंबार

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय चंदूलाल चंद्राकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय पाटन में विद्यार्थियों को एडमिशन के 3 महीने बाद भी आईडी कार्ड नहीं मिले हैं। इस समस्या को लेकर डेढ़ महीने पहले भी प्राचार्य को अवगत कराया गया था, लेकिन अभी तक इसका समाधान नहीं हुआ है।

विद्यार्थियों का कहना है कि महाविद्यालय में अनेक मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है, जिनमें शामिल हैं:

1. आईडी कार्ड नहीं: विद्यार्थियों की पहचान के लिए आवश्यक
2. डस्टबिन नहीं: कचरा प्रबंधन के लिए आवश्यक
3. साइकिल स्टैंड असुविधा: विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित पार्किंग
4. कैंटीन नहीं : विद्यार्थियों के लिए भोजन और पेय पदार्थों की सुविधा
5. फ्री वाईफाई सुविधा नहीं : विद्यार्थियों के लिए इंटरनेट सुविधा
6. बालिका छात्रावास *बंद है : छात्राओं के लिए आवास सुविधा
7. प्रोजेक्टर सुविधा नहीं: कक्षाओं में प्रोजेक्टर के माध्यम से पढ़ाई
8. स्पोर्ट्स सुविधा नहीं: विद्यार्थियों के लिए खेलकूद की सुविधा
9. पर्याप्त टेबल नहीं : विद्यार्थियों के लिए अध्ययन के लिए आवश्यक
10. टीसी में प्रिंसिपल का साइन नहीं करना: विद्यार्थियों के लिए आवश्यक दस्तावेज़ की समस्या
11. पीने का पानी : साफपानी का अभाव

इन सुविधाओं के घोर अभाव से विद्यार्थियों की पढ़ाई और शैक्षणिक वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। आईडी कार्ड नहीं होने से कॉलेज परिसर में असामाजिक तत्व सक्रिय हो जाता है जिसका पहचान करना मुश्किल हो रहा है, जिससे सुरक्षा संबंधित खतरे उत्पन्न हो रहे हैं। विद्यार्थियों की मांग हैं कि सभी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाए और महाविद्यालय में आवश्यक सुविधाएं प्रदान करें। इससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और उनकी पढ़ाई में सुधार होगा।

बढ़ती बिजली दरों पर गरियाबंद में कांग्रेस का हल्लाबोल

जंगी रैली के साथ बिजली कार्यालय का घेराव,जमकर की नारेबाजी

गरियाबंद (समय दर्शन)।

प्रदेश में लगातार बढ़ती बिजली दरों और 'हाफबिजली योजना' बंद किए जाने के विरोध में आज गरियाबंद में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय से रैली की शक्ल में नारे लगाते हुए निकले और बिजली कार्यालय पहुंचकर सरकार के खिलाफ जबरदस्त हल्ला बोला।कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां,बैनर और झंडे लेकर बिजली दरों में बढ़ोतरी वापस लो, जनता का शोषण बंद करो जैसे नारे लगाए।गरियाबंद की सड़कों पर कांग्रेसजनों का यह विरोध मार्च लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचता रहा।प्रशासन ने किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया था।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला

आंदोलन के दौरान कहा कि भाजपा सरकार को जनता की तकलीफों से कोई लेना-देना नहीं है। हाफ बिजली योजना खत्म करने के बाद अब आम उपभोक्ता पर महंगाई का पहाड़ टूट पड़ा है।बिजली बिल में लगातार बढ़ोतरी से लोग परेशान हैं। अगर सरकार ने इस फैसले को वापस नहीं लिया तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता भवानी शंकर शुक्ला ने कहा — कांग्रेस शासन में लोगों को

राहत और विश्वास मिला था, मगर भाजपा सरकार के आने के बाद वही जनता अब परेशानियों से जूझ रही है। अगर सरकार ने जनविरोधी निर्णय वापस नहीं लिया, तो जनता सड़कों पर उतरकर जवाब देगी। कांग्रेस सरकार के समय गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत देने के लिए हाफ बिजली योजना शुरू की गई थी। लेकिन भाजपा ने आते ही इस योजना को बंद कर जनता की जेब पर सीधा वार किया है। आज प्रदेश का हर परिवार बढ़ते बिजली बिल से त्रस्त है। कांग्रेस जनता के साथ खड़ी है और इस अन्याय के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ेगी।

कांग्रेस ने दी आंदोलन तेज करने की चेतावनी

इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में सरकार से 'हाफ बिजली योजना' को पुन: शुरू करने और बढ़ी हुई दरों को वापस लेने की मांग की। विरोध प्रदर्शन में हाफ़िज़ ख़ान, संजय नेताम, छगन यादव के साथ महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे।

सेवा सहकारी समिति कोडिया में बनाए रखने की किसानों ने की मांग

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर श्री हितेश पिस्दा एवं श्री उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित 92 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्राम पथरिया एवं सहगांव के समस्त किसानों ने सेवा सहकारी समिति को कोडिया में रखने आवेदन दिया। किसानों ने बताया कि वे कई वर्षों से खाद-बीज व कृषि ऋण का लेन-देन कोडिया समिति से ही करते आ रहे हैं और धान खरीदी केन्द्र कोडिया ही उनके लिए सुविधाजनक है। चूंकि वर्तमान में नए धान खरीदी केन्द्र मेडेसरा प्रस्तावित है, जिसमें ग्राम पथरिया एवं सहगांव को भी जोड़ा जा रहा है जो दूरी में अधिक और असुविधाजनक है। इस पर कलेक्टर ने जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

धवईपानी अकलघरिया के पास बोलेरो और ट्रक की भिडंत में 5 मौत, 5 घायल

ट्रक चालक फरार

कवर्धा (समय दर्शन)। रायपुर जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में रविवार की शाम कार और ट्रक की आमने सामने की भिडंत में पांच लोगों की मृत्यु हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं, एक बच्ची और एक पुरूष शामिल हैं। घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया।

जिले के अंतिम छोर में स्थित वनांचल ग्राम अकलघरिया के पास कार और ट्रक की जोरदार भिडंत हो गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। एडिशनल एसपी पंकज पटेल ने बताया कि कार सवार सभी 10 लोग कोलकाता के टूरिस्ट है जिनका आज रात्रि में बिलासपुर से ट्रेन था सभी लोग कलकत्ता बंगाल के रहने वाले है। कोलकाता पश्चिम बंगाल से सभी लोग बोलेरो कार में बैठकर मध्ययप्रदेश की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अकलघरिया के पास सामने से आ रही ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। वहीं कार में बैठे दो लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस

को सूचना दी।

सूचना मिलते ही चिल्फी पुलिस और 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को वाहन से निकालकर बोड़ला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल तीन व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जिला अस्पताल पहुंचने पर तीन अन्य लोगों की मौत हो गई. मरने वालों में तीन महिलाएं, एक बच्चा और एक पुरुष शामिल है। हादसे के बाद नेशनल हाईवे थोड़ी देर के लिए जाम हो गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर रास्ते को खाली कराया। अभी यातायात व्यवस्था बहाल हो गई है। पुलिस ने इस केस के संबंध में एफआईआर दर्ज कर ली है।

जिले में रफ्तार का कहर थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक और भय का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर असमय होने वाली मौत और भीषण सड़क हादसा पर रोक लगाने के लिए ठोस उपाय करने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय रजपुरीकला पहुंचे राज्यपाल श्री रमेन डेका

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका सरगुजा जिला प्रवास के दौरान सोमवार को विकासखण्ड लखनपुर के रजपुरीकला स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पहुंचे। उन्होंने यहां बालिकाओं से मिलकर कहा कि कड़ी मेहनत से ही सफलता प्राप्त होती है। राज्यपाल श्री डेका ने इस दौरान विद्यालय को 5 कम्प्यूटर सिस्टम प्रदान करने की घोषणा की। जब राज्यपाल श्री डेका ने बच्चों से पूछा कि भविष्य में क्या बनना चाहती हैं, तो बच्चों ने अपनी-अपनी इच्छा जाहिर की। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि आप जो सपना देख रहें हैं, उसे साकार करने के लिए कडी मेहनत करनी होगी। अपना लक्ष्य निर्धारित कर ईमानदारी के साथ आगे बढ़े, मन लगाकर पढ़ाई करें, सफलता जरूर मिलेगी। श्री डेका ने शिक्षकों से कहा कि शिक्षक बच्चों को राह दिखाते हैं, इसलिए शिक्षक अपनी जिम्मेदारी को समझें, बच्चों के प्रति अच्छा व्यवहार रखें। उन्होंने बच्चों को शिक्षक के साथ अच्छा व्यवहार करने, उनका आदर करने कहा। उन्होंने कहा कि हमें गिरने पर खड़े होने की ताकत शिक्षक से ही मिलेगी। इसी प्रकार उन्होंने बच्चों से कहा कि अपने माता-पिता का सम्मान करें, आवश्यकतानुसार ही मोबाईल का उपयोग करें।

नवंबर माह में शुरू होगी धान खरीदी, कृषि मंत्री ने दी जानकारी...

रायपुर। छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए राहतभरी खबर है। राज्य सरकार ने इस साल की धान खरीदी की पूरी तैयारी पूरी कर ली है। कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने जानकारी दी कि नवंबर माह से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू की जाएगी। सरकार अपने वादे के अनुरूप 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किसानों से धान खरीदेगी।

मंत्री नेताम ने बताया कि इस बार राज्य में 160 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदी की संभावना है। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सरकार ने व्यापक स्तर पर व्यवस्था की है।

टोकन व्यवस्था होगी ऑनलाइन, तुहर एप से जारी होंगे टोकन- धान खरीदी में पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए इस बार किसानों को ऑनलाइन टोकन दिए जाएंगे। टोकन तुहर एप के माध्यम से जारी किए जाएंगे, जिससे किसान तय तारीख पर आसानी से अपना धान बेच सकेंगे। राज्य सरकार की मंत्रिमंडलीय उप समिति ने बीते वर्ष सामने आई समस्याओं — जैसे बारदाना की कमी, टोकन वितरण में देरी और खरीदी केंद्रों की भीड़ — को ध्यान में रखते हुए इस बार नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है।

छोटे और सीमांत किसानों को प्राथमिकता- धान बेचने के लिए इस बार पहला अवसर छोटे और सीमांत किसानों को दिया जाएगा। इनमें वे किसान शामिल होंगे जिनके पास 2 से 10 एकड़ तक कृषि भूमि है। सरकार का उद्देश्य है कि सीमित संसाधनों वाले किसानों को पहले सुविधा मिले और उनकी उपज समय पर बिक सके।

खरीदी केंद्रों पर सख्त मॉनिटरिंग- सूत्रों के अनुसार, खरीदी केंद्रों पर इस बार रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम लागू किया जाएगा। इससे खरीदी की प्रगति और किसी भी समस्या की जानकारी तुरंत प्रशासन तक पहुँच सकेगी। कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों से किए हर वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार की खरीदी व्यवस्था किसानों के लिए सबसे सुगम और पारदर्शी होगी।

शकुन्तला फाउंडेशन ने किया नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

रायपुर। गांधी जयंती और अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर शकुन्तला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ ने बापू की कुटिया, कलेक्टर परिसर गार्डन रायपुर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर गणेश विनायक नेत्रालय रायपुर की टीम ने नेत्र जांच की सुविधा उपलब्ध कराई। शिविर में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों ने अपनी आंखों की जांच कराई, चश्मे का नंबर प्राप्त किया और जिन मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया, उन्हें ऑपरेशन की सलाह दी गई। शकुन्तला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ की अध्यक्ष स्मिता सिंह ने इस अवसर पर वरिष्ठजनों को सरकार द्वारा चलाई जा रही वरिष्ठ नागरिक कल्याण योजनाओं की जानकारी दी और कई वरिष्ठ नागरिकों को सहयोग राशि व सामग्री भी प्रदान की। नेत्र जांच टीम में रणविजय, अनिकेत पांडे, आशु, सोहित गिरी और हितेश्वर शामिल रहे। इस अवसर पर डॉ. अरुणा पलटा, गोविंद अग्रवाल, पीयूष जैन, नीता विश्वकर्मा, सुषमा बग्गा, अनुश्री और अपर्णा विशेष रूप से उपस्थित थीं।

सीएसआर फंड से जशपुर को 61 करोड़ रूपए मिला पहली बार

रायपुर। पहली बार सीएसआर फंड से 61 करोड़ की राशि विकास कार्यो के लिए जशपुर जिले को आबंटित की गई है। इस राशि से जिले में स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा और खेल के बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए उपयोग किया जा रहा है। लगभग दो साल पहले जब जशपुर के बगिया के लाल विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का पदभार सम्हाला था तो जिलेवासियों को पिछड़ेपन से मुक्ति की नई उम्मीद जागी थी। मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले जिला प्रवास के दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने जिलेवासियों को वायदा भी किया था कि जिले के विकास की ऐतिहासिक रोडमैप तैयार की जाएगी। अपने इस वायदे को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री ने तेजी से कदम बढ़ा रहे है। लगभग दो साल पहले जब जशपुर के बगिया के लाल विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का पदभार सम्हाला था तो जिलेवासियों को पिछड़ेपन से मुक्ति की नई उम्मीद जागी थी। मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले जिला प्रवास के दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने जिलेवासियों को वायदा भी किया था कि जिले के विकास की ऐतिहासिक रोडमैप तैयार की जाएगी। अपने इस वायदे को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री ने तेजी से कदम बढ़ा रहे है।

35 करोड़ से बन रहा है आधुनिक अस्पताल

35 करोड़ की लागत से जिला मुख्यालय जशपुर में सौ बिस्तर की क्षमता वाली अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। निर्माणाधीन स्व. जगदेव राम उरांव स्मृति चिकित्सालय को संचालित करने की जिम्मेदारी वनवासी कल्याण आश्रम को दी गई है। इस अस्पताल भवन के निर्माण का कार्य रायगढ़ रोड में कल्याण आश्रम अस्पताल के प्रांगण में तेजी से चल रहा है। स्वीकृत राशि में से 17 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अगले साल 2026 तक इस भवन का निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार 18 करोड़ की राशि इस आधुनिक अस्पताल में आवश्यक चिकित्सकीय उपकरणों और भौतिक संसाधन जुटाने के लिए किया जाएगा। इस अस्पाताल में मरीजों के लिए सीटीस्कैन, एमआरआई, आईसीयू, आईसीसीयू, डायलिसिस, आपातकालीन चिकित्सा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अस्पताल के लिए चिकित्सक, नर्सिंग और प्रशासनिक स्टाफ के लिए भर्ती प्रक्रिया भी चल रही है। अस्पताल के चालू हो जाने से जिलेवासियों को उपचार के लिए अंबिकापुर, रांची, झारसुगड़ा, रायपुर जैसे दूरस्थ शहर की दौड़ लगाने से मुक्ति मिल सकेगी। जिले में तीरंदाजी केंद्र के निर्माण के लिए सीएसआर फंड से 20.53 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। एनटीपीसी के सीएसआर फंड से इस तीरंदाजी केंद्र के निर्माण के लिए जिला प्रशासन ने सन्ना में जमीन तय कर ली है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से सौजन्य भेंट की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को अवगत कराया कि वर्ष 2025 छत्तीसगढ़ राज्य के गठन की रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने रजत जयंती वर्ष के विशेष अवसर पर राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों, जनकल्याण और सांस्कृतिक गौरव से जुड़े कार्यक्रमों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को छत्तीसगढ़ आगमन हेतु सादर आमंत्रित किया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने राज्य के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा प्रदेश की निरंतर प्रगति और समृद्धि की

कामना की। इस अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री श्री तोखन साहू और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को किया सम्मानित

स्व-सहायता समूह की दीदियों के द्वारा उत्पादित सामग्री का किया अवलोकन, आगे बढ़ने किया प्रेरित

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा विकासखण्ड लखनपुर अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान ग्राम जुड़वानी नवापारा की मीरा प्रजापति एवं पहाड़ी कोरवा हितग्राही ग्राम लब्जी की नमिता को शॉल प्रदान कर सम्मानित कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं गई। वहीं दो हितग्राहियों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड, दो हितग्राहियों को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत अतिरिक्त पोषण आहार का वितरण किया गया।

राज्यपाल श्री डेका इस दौरान स्व-सहायता समूह की दीदियों से मिले। उन्होंने दीदियों द्वारा निर्मित की गई सामग्रियों का अवलोकन

किया। ग्राम पंचायत कुत्री की गायत्री महिला समूह द्वारा बनाए गए खाद्य सामग्रियों का अवलोकन कर आय की जानकारी ली। इसी प्रकार उन्होंने दीदियों द्वारा बनाए गए सजावटी सामग्रियों, बेकरी उत्पादों, कोसा शॉल, बोरा आदि का अवलोकन कर लागत एवं आय की जानकारी ली तथा आवश्यकताओं के बारे में पूछा। राज्यपाल श्री डेका ने महिलाओं को अन्य गतिविधियों का संचालन कर आगे बढ़ने प्रेरित किया। इस दौरान लोसंगी की बीसी सखी श्रीमती बालेश्वरी यादव ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2021 से अब तक 11 करोड़ रुपए का ट्रांसेक्शन किया है, राज्यपाल श्री डेका ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

सिम्स बिलासपुर के दंत चिकित्सा विभाग कैंसर के चौथे स्टेज पर था बुजुर्ग सिम्स के चिकित्सकों ने दिया नया जीवन

चिकित्सकों ने सर्जरी कर कैंसर पीड़ित मरीज की जान बचाने में सफलता हासिल की

रायपुर। डराने के लिए कैंसर का नाम ही काफी है शुरूआती अवस्था में कोई तकलीफदर्द नहीं होने के कारण मरीज इसे नजरअंदाज या लापरवाही के चलते ध्यान नहीं देता है, परन्तु जब तक कुछ तकलीफ हो तब तक मरीज का कैंसर बहुत आगे की चरण तक पहुंच चुका होता है तब यह जानलेवा और खतरनाक भी हो जाता है। कुछ ऐसी परिस्थिति से संघर्ष करते हुए बिलासपुर निवासी मरीज लक्ष्मण 61 वर्षीय मुंह में कैंसर के ग्रसित सिम्स बिलासपुर के दंत चिकित्सा विभाग में इलाज के लिए पहुंचा।

तंबाकू के कई वर्षों का सेवन करने से उसके मुंह में कैंसर हो गया था, लेकिन सिम्स के दंत चिकित्सा विभाग के चिकित्सकों ने जटिल इलाज व सर्जरी से मरीज की जान बचाने के सफल हुए है। चूंकि उम्र अधिक होने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी घट जाती है। इस स्थिति में इलाज करना चुनौती पूर्ण हो जाता है। मरीज का कैंसर इतना बढ़ गया

था, कि गले में उपस्थित लिंफ नोड में सूजन काफी बड़ा हो गया था। जिसका साइज 7×6 सेमी बढ़ गया था। जांच में पाया गया की कैंसर की अंतिम स्टेज से ग्रसित होने की पुष्टि हो गई। दंत चिकित्सा विभाग के चिकित्सकों ने सर्जरी का निर्णय लिया, इलाज के लिए आवश्यक खून जांच एक्स-रे और सिटी स्केन कराकर सुनियोजित तरीके से 7-8 घंटे की जटिल सर्जरी कर पूरा किया गया। इस सर्जरी को तीन भागों में किया गया। इसमें कैंसर के साथ संक्रमित जबड़े के हिस्से को निकाला गया। कैंसर जो गर्दन में फैल गया था, उसको निकाला गया और अंत में कैंसर को निकालने के बाद खाली जगह पर छाती से मांस जिसे पीएमएमसी फ्लैप कहते हैं, का टुकड़ा निकालकर लगाकर सर्जरी पूरी की गई।

सर्जरी को डॉ. भूपेन्द्र कश्यप के मार्गदर्शन में किया गया। सर्जरी करने वाली टीम में डॉ. संदीप प्रकाश (ओरल एवं मैक्जिलोफेसियल सर्जन) विभागाध्यक्ष, डॉ. जण्डेल सिंह ठाकुर, डॉ. केतकी किनिकर, डॉ. हेमलता राजमणी, डॉ. प्रकाश खरे, डॉ. सोनल पटेल, के अलावा निश्चेतना विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मधुमिता मूर्ति, एवं मेजर ओटी के अन्य चिकित्सक, स्टाफ वार्ड बॉय तथा रेडियोडायग्नोसिस की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह एवं उनके अन्य स्टाफसहित, सबके संगठित सहयोग से किया गया है। छ.ग. आयुर्विज्ञान सिम्स के डीन डॉ. रमणेश मूर्ति एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह के प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन से दंत चिकित्सा विभाग कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। समय समय पर दंत चिकित्सा विभाग श्रेष्ठता साबित कर रहा है।

संपादकीय

ईरान को भी बरबाद कर दिया जाएगा

अमेरिका ईरान के कथित परमाणु कार्यक्रम के कारण पर तत्काल और बेहद कड़े प्रतिबंध लगाने पर आमादा है। अपने सहयोगी देशों के साथ मिल कर ईरान की मुश्कें ऐसे कस देना चाहता है जिससे ईरान निकलने के लिए छटपटाता रह जाए। इस काम में उसे संयुक्त राष्ट्र का भी साथ मिल गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के कारण उस पर फिर से तत्काल प्रतिबंध न लगाने के कुछ देशों के आखिरी प्रयास को समय सीमा से एक दिन पहले ही खारिज कर दिया। यह कदम ऐसे समय उठाया है जब पश्चिमी देशों ने दावा किया कि ईरान के साथ हफ्तों की बैठकों के बावजूद कोई ठोस समझौता कर पाने में उन्हें सफलता नहीं मिल पाई है। ईरान को प्रतिबंधों से बचाने का प्रयास उसके निकटतम सहयोगी रूस और चीन कर रहे हैं। दोनों देशों ने ईरान पर फिलहाल प्रतिबंध नहीं लगाने संबंधी प्रस्ताव 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में शुक्रवार को पेश किया था, जिसे मंजूरी के लिए नौ देशों का समर्थन चाहिए था, जो संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को शनिवार से प्रभावी होने से रोकने के लिए जरूरी था। संयुक्त राष्ट्र में रूस के उपराजदूत दिमित्री पोल्यान्स्की ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि यूरोपीय सहयोगी और अमेरिका ब्लैकमेल की बजाय बातचीत का रास्ता चुनेंगे। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के प्रतिबंधों की बहाली के बाद विदेश में ईरानी संपत्तियों को फिर से जब्त कर लिया जाएगा, ईरान के साथ हथियारों के सौदे रुक जाएंगे और बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम जारी रखने पर ईरान पर दंडात्मक कार्रवाई होगी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने इस फैसले को %अनुचित, अन्यायपूर्ण और अवैध' करार दिया है। परमाणु अप्रसार संधि से हटने की चेतावनियों के बावजूद पेजेश्कियान ने कहा है कि ईरान का ऐसा करने का इरादा नहीं है। 2003 में इस संधि को छोड़ने वाला उ. कोरिया परमाणु हथियार बनाने में लगा है। चार देश-चीन, रूस, पाकिस्तान और अल्जीरिया चाहते हैं कि ने ईरान को यूरोपीय देशों और अमेरिका के साथ बातचीत का और समय दिया जाए। ईरान ने कहना शुरू कर दिया है कि अमेरिका ने कूटनीति का पालन नहीं किया लेकिन यूरोपीय देशों ने तो कूटनीति को दफन ही कर दिया। देखना है कि जोर-जबर की चालों से ईरान को भी इराक की तरह बरबाद तो नहीं कर दिया जाएगा।

जीवन का आधार और अस्तित्व की धड़कन हृदय

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

मनुष्य का हृदय केवल शरीर के भीतर रक्त पंप करने वाली मशीन भर नहीं है, बल्कि जीवन का आधार और अस्तित्व की धड़कन है। जब यही धड़कन संकट में पडने लगती है तो संपूर्ण जीवन व्यवस्था असंतुलित हो उठती है। हाल में काउजेज ऑफडेथ इन इंडिया- 2021-23-शीषर्क से जारी रिपोर्ट ने एक बार फिर हमें सोचने पर विवश कर दिया है कि आधुनिक जीवन की चमक-दमक और सुविधा-संपन्नता के बीच कहीं न कहीं हम अपने हृदय को खतरे में डाल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारत में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हृदय संबंधी बीमारियां हैं, जिनसे 31 प्रतिशत लोग अकाल मृत्यु को प्राप्त हो रहे हैं। पहले कहा जाता था कि बुढ़ापे की दहलीज पर पहुंचने के बाद दिल धोखा देता है, लेकिन ताजा आंकड़े बताते हैं कि अब 30 वर्ष से ऊपर के लोगों में ही यह मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बन चुका है अर्थात अब हृदय रोग केवल वृद्धावस्था की बीमारी नहीं रह गई, बल्कि युवाओं और मध्यम आयु वर्ग के लिए भी उतनी ही घातक सिद्ध हो रही है। स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है कि भारत की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा युवाओं का है, और यही वर्ग हृदय रोग की चपेट में आने लगे तो न केवल परिवार, बल्कि समाज और राष्ट्र का भविष्य भी प्रभावित होगा। हृदय रोग की बढ़ती भयावहता को समझने के लिए हमें जीवनशैली में आए बदलावों पर नजर डालनी होगी। आधुनिक जीवन ने हमें आराम, गति और साधन तो दिए हैं, किंतु साथ ही शारीरिक श्रम से दूरी, असंतुलित खानपान, मानसिक तनाव और अनुशासनहीन दिनचर्या जैसी आदतों को भी जन्म दिया है। एक ओर फैक्टरियां, दफ्तर और तकनीक ने जीवन को आसान बनाया तो दूसरी ओर शरीर की मशीनरी को निष्क्रिय भी कर दिया। घंटों तक कुर्सी पर बैठे रहना, फास्ट फूड और जंक फूड का सेवन, मीठे-नमकीन और तैलीय पदाथरे की अधिकता, धूम्रपान और मद्यपान जैसी आदतें हृदय को धीरे-धीरे कमजोर करती रहती हैं। यह भी ध्यान देने की बात है कि कोविड-19 महामारी ने इस संकट को और गहरा किया। लंबे समय तक घरों में कैद रहना, शारीरिक गतिविधियों की कमी और मानसिक तनाव ने हृदय संबंधी रोगों के मामलों को और बढ़ा दिया। हालांकि कोविड का सीधा कारण हृदय रोग नहीं था, किंतु महामारी के दौरान उत्पन्न जीवनशैली के परिणामस्वरूप फैली निष्क्रियता ने हृदय को अतिरिक्त खतरे में डाल दिया। अधिक नमक, चीनी और वसा का सेवन, व्यायाम की कमी और मानसिक दबाव-सभी हृदय पर बोझ डालते हैं। नतीजा होता है कि रक्तचाप बढने लगता है, धमनियां संकुचित हो जाती हैं, और हृदय की धड़कनें असामान्य हो जाती हैं। समय रहते ध्यान न दिया जाए तो स्थिति दिल के दौरे, हार्ट फेलियर या स्ट्रोक का रूप ले लेती है। रिपोर्ट बताती है कि भारत में हर तीसरी मौत हृदय की बीमारी से हो रही है। यह आंकड़ा झकझोरने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी मोटापे और हृदय रोग के बढ़ते संकट को रेड सिग्नल मानते हुए इन्हें नियंत्रित करने का आह्वान किया है। मोटापा वास्तव में हृदय रोग की जड़ है। शरीर का वजन बढ़ता है, तो सीधा असर हृदय पर पड़ता है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह और कोलेस्ट्रॉल जैसी बीमारियां मोटापे के साथ-साथ चलती हैं, और सभी मिलकर हृदय की सेहत बिगाड़ देती हैं। इस समस्या का समाधान केवल दवाओं से संभव नहीं है। इसके लिए जन-जागरूकता, जीवनशैली में बदलाव और सामाजिक स्तर पर सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। हृदय रोग केवल व्यक्तिगत संकट नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय उत्पादकता और विकास से भी जुड़ा प्रश्न है। जब कार्यशील आयु वर्ग के लोग समय से पहले बीमार पडने लगें या असमय मृत्यु को प्राप्त हों, तो सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है। इसीलिए हृदय रोग के खिलाफ लड़ाई केवल चिकित्सीय लड़ाई नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संघर्ष है। समय की मांग है कि हम दिल की आवाज सुनें, उसकी धड़कनों को सुरक्षित रखें और उसे खतरे से बचाने के लिए ठोस कदम उठाएं।

जातिवाद, वैचारिक विरोधी और संघ

उमेश चतुर्वेदी

यह संयोग ही है कि ठीक सौ साल पहले 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई, ठीक उसके कुछ ही महीने बाद छब्बीस दिसंबर 1925 को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई। सौ साल की यात्रा को जब पीछे मुड़कर देखते हैं तो पता चलता है कि जोर-शोर से शुरू हुआ भारतीय कम्युनिस्ट आंदोलन भारत भूमि पर दम तोड़ता नजर आ रहा है, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा लगातार आगे बढ़ रही है। सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक मोर्चे पर संघ की वैचारिकी की प्रगति यात्रा जारी है।

एक ही वक्त पर शुरू दोनों वैचारिकी में एक विशेष अंतर रहा। वाम आंदोलन के निशाने पर सदा संघ की विचारधारा और संगठन रहा। संघ के खिलाफ कभी सत्ता के सहयोग से तो कभी किसी और तरीके दुष्प्रचार खूब फैलाया गया। उसी में एक विचार ऐसा है कि संघ मुसलमानों के खिलाफ है। वैचारिक और सामाजिक मोर्चे पर यह भी स्थापित करने की कोशिश की गई कि संघ भारतभूमि से मुस्लिम धर्म का समूल खात्मा चाहता है। लेकिन हकीकत कुछ और है। संघ की प्रतिनिधि सभा के सदस्य और वरिष्ठ कार्यकर्ता इंद्रेश कुमार जी के संयोजन में साल 2002 से 'राष्ट्रीय मुस्लिम मंच' नाम का संगठन काम कर रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य इस्लाम मानने वाले भारतीय लोगों के बीच 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के संदर्भ में भारतीय राष्ट्रीयता के विचार को बढ़ावा देना है। संघ का कोई घोषित या अघोषित उद्देश्य नहीं है कि भारत भूमि मुस्लिम लोगों से मुक्त हो। संघ का प्रयास है कि भारत के मुसलमानों को लेकर स्थापित छवि बदले और राष्ट्र निर्माण में भी उनकी भूमिका हो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर 'गुरू' जी रचित किताब 'ब्रंच ऑफ थॉट' का हवाला देकर अक्सर संघ को मुस्लिम विरोधी और सांप्रदायिक होने का प्रयास किया जाता है। वामपंथी विचारधारा के बुद्धिजीवियों को जब भी संघ पर हमला करना होता है, 1966 में प्रकाशित इसी किताब का वे हवाला देते हैं। संघ के मौजूदा सरसंघचालक मोहन राव भागवत जी इस बारे में अपनी राय खुलकर जाहिर कर चुके हैं। सात साल पहले सितंबर 2018 में दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई तीन दिनों की विशेष व्याख्यान माला के आखिरी दिन 20 सितंबर को संघ प्रमुख ने श्रोताओं से आमंत्रित प्रश्नों का जवाब दिया था। उसमें 'ब्रंच ऑफथॉट' को लेकर भी एक प्रश्न पूछा गया था। उस प्रश्न के जवाब में मोहन राव भागवत ने कहा था, 'रही बात, 'बंच ऑफ थॉट्स' की, तो बातें जो बोली जाती हैं वे परिस्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संदर्भ में बोली जाती हैं। वे शाश्वत नहीं रहतीं।' इसी सवाल के जवाब में भागवत जी ने आगे कहा था, आरएसएस कोई संकीर्ण संगठन नहीं है. समय के साथ हमारे विचार और इनका प्रकटीकरण भी बदलता है।

संघ प्रमुख मुसलमान समुदाय को लोगों को भी अपना ही मानते हैं। इसी व्याख्यान माला में उन्होंने कहा था कि, 'हम एक देश की संतान हैं, भाई-भाई जैसे रहें। इसलिए संघ का अल्पसंख्यक शब्द को लेकर रिज़र्वेशन है। संघ इसको नहीं मानता. सब अपने हैं, दूर गए तो जोड़ना है।'

संघ को लेकर एक आरोप लगता है कि वह जातिवादी है। विशेषकर संघ विरोधी बुद्धिजीवी कहने से नहीं हिचकते कि संघ में उच्च जातियों का वर्चस्व है। के एस भारती द्वारा संपादित और 1988 में प्रकाशित 'इनसाइक्लोपीडिया ऑफएमिनेंट थिंकर के सातवें खंड में दिए विवरण के अनुसार महात्मा गांधी 1934 में वर्धा में आयोजित संघ के एक शिविर का दौरा किया था। तब वे बगल में ही सेवाग्राम आश्रम में ठहरे हुए थे। संघ के शिविर का जिज्ञासावश दौरा करने पहुंचे गांधी जी को यह देखकर आश्चर्य हुआ था कि गांधीजी को इस बात से और भी आश्चर्य हुआ कि वर्धा शिविर में अस्पृश्यता, जातिगत उपेक्षा या अन्य भेदभावपूर्ण तौर-तरीके बिलकुल नहीं थे। गांधी जी के दौरे वक्त संघ के शिविर में अप्पाजी जोशी थे। इससे गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे।

संघ और गांधी के संबंधों को लेकर भी बहुत कुछ लिखा जा चुका है। लेकिन गांधी वांग्मय में संग्रहीत तथ्यों से इससे जुड़े वैचारिक कुहासे से भी भी पर्दा उठता है। गांधी वांग्मय के 87वें खंड में मिलता है। इसके अनुसार अप्रैल 1947 में दिल्ली में हिंदू-मुस्लिम एकता के संदर्भ में हुई एक प्रार्थना सभा में, गांधीजी ने बताया था कि उन्हें संघ से एक पत्र मिला है, जिसमें इस बात से इनकार किया गया है कि हाल ही में गांधीजी द्वारा अपनी सभाओं में कुरान की आयतों को गीता की आयतों के साथ रखने के विरोध में संघ का कोई हाथ था। गांधीजी ने कहा कि उन्हें इस खंडन के बारे में सुनकर खुशी हुई, और आगे कहा: कोई भी संगठन जीवन या धर्म की रक्षा नहीं कर सकता जब तक कि वह पूरी तरह से खुले तौर पर काम न करे। सितंबर 1947 में गांधीजी नई दिल्ली में संघ कार्यकर्ताओं से मिले थे। तब गांधी जी उनसे कहा था कि 'वास्तव में उपयोगी होने के लिए, आत्म-बलिदान के साथ-साथ पवित्र उद्देश्य और सच्चे ज्ञान का भी समावेश होना आवश्यक है।

संघ के जातिवादी होने के सवाल पर विज्ञान भवन के कार्यक्रम में भागवत जी ने कहा था कि अगर भारत में अंतरजातीय विवाहों की गणना किया जाए तो अंतरजातीय विवाह करने वालों में सबसे ज्यादा संख्या संघ के स्वयंसेवकों की होगी। संघ पर वामपंथी लोगों का विरोधी होने का भी आरोप लगता है। लेकिन संघ प्रमुख इसे भी साफकर चुके हैं। राष्ट्र हित के संदर्भ में वाम विचारधारा पर सवाल उठने जायज हैं। वाम विचारधारा भारतीयता की धारणा को तार-तार करती है। लेकिन उसे मानने वाले लोगों से संघ कभी घृणा नहीं करता, नहीं विद्वेषभाव रखता है। संघ प्रमुख तो अब बार-बार कहते हैं कि भारत में जो भी हैं, सब अपने हैं। उन्हें अपने साथ जोड़ना है। संघ ने शताब्दी वर्ष में जो पंच प्रतिष्ठा निर्धारित की है, उसमें तीसरा 'सामाजिक समरसता' है। सामाजिक समरसता के संदर्भ में संघ का मानना है कि भारत भूमि में रहने वाले सभी लोग अपने हैं। कुछ भटके हुए हैं, उन्हें अपने साथ जोड़ना है और भारत राष्ट्र को स्वावलंबी और मजबूत बनाना है। यह तभी संभव होगा, जब समूचे भारत का समाज एक होगा।

एशियाई शेरों के संरक्षण का जीवंत केंद्र लायन सफारी

विनीत नारायण

जहां एक तरफ़ औद्योगीकरण के नाम पर दो भर में अंधाधुंध जंगल काटे जा रहे हैं, वहीं ऐसे प्रयास बहुत सराहनीय हैं जो हरित क्षेत्र को बढ़ाने की दिशा में किए गए हैं। पिछले हफ्ते मैं पहली बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इटावा नगर के बाहर स्थित %लायन सफारी' देखने गया। इत्तेफाक ही है कि दो महीने पहले ही मैंने अफ्रीका के केन्या में स्थित %मसाई मारा वन्य अभयारण्य' का दौरा किया था। करीब 1.5 लाख हेक्टेयर में फैला %सवाना ग्रासलैंड' हजारों तरह के वन्य जीवों के मुक्त विचरण के कारण विप्रसिद्ध है। वहां मैंने एक खुली जीप में बैठ कर 3 मीटर दूर बैठे बब्बर शेर और शेरनियों को देखने का रोमांचकारी अनुभव हासिल किया। मुझे नहीं पता था कि उत्तर प्रदेश में भी एक विशाल सरकारी पार्क है, जहां बब्बर शेर और शेरनियां और तमाम दूसरे ड्क्षहसक पशु खुलेआम विचरण करते हैं। शायद आपने भी कभी इटावा के %लायन सफारी' का नाम नहीं सुना होगा।

इटावा का यह लायन सफारी (जिसे अब इटावा सफारी पार्क के नाम से जाना जाता है) मसाई मारा के स्तर का तो नहीं है, पर इसकी अनेक विशेषताएं इसे मसाई मारा के अभयारण्य से ज्यादा आकषर्क बनाती हैं। जहां सवाना ग्रासलैंड में पेड़ों का नितांत अभाव है और पचासों मील तक सपाट मैदान है, वहीं इटावा का लायन सफारी बीहड़ क्षेत्र में बसा है। इसमें सैकड़ों प्रजाति के बड़े-बड़े सघन वृक्ष लगे हैं। इसके चारों ओर चंबल नदी की घाटी की तरह मिट्टी के कच्चे पहाड़ हैं जिनके पास से यमुना नदी बहती है। यह न केवल एशिया के सबसे बड़े ड्राइव-थ्रू सफारी पार्कों में से एक है, बल्कि एशियाई शेरों के संरक्षण का जीवंत केंद्र भी है।

इटावा लायन सफारी की अवधारणा 2006 में ही प्रस्तावित हो चुकी थी, लेकिन इसका निर्माण 2012-13 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार के दौरान शुरू हुआ। यह परियोजना उत्तर प्रदेश वन विभाग के सामाजिक वानिकी प्रभाग इटावा के तहत %फिशर फॉरेस्ट' क्षेत्र में विकसित की गई जो इटावा शहर से मात्र 5 किमी. दूर इटावा-ग्वालियर रोड पर स्थित है। फिशर फॉरेस्ट का अपना ऐतिहासिक महत्त्व है। 1884 में इटावा के तत्कालीन जिला प्रशासक जे.एफ. फिशर ने स्थानीय जमींदारों को मना कर इस क्षेत्र में वनरोपण की शुरुआत की थी, जो राज्य का सबसे पुराना वन क्षेत्र माना जाता है। यह निर्माण कार्य उप्र. वन विभाग की निगरानी में हुआ जिसे केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की मंजूरी मिली। परियोजना को स्पेनिश आर्किटेक्ट फ्रेंक बिडल ने डिजाइन किया।

यह सफारी पार्क कुल 350 हेक्टेयर में फैला हुआ है, जिसकी परिधि लगभग 8 किमी. लंबी है। इसमें शेर ब्रिडिंग सेंटर के लिए 2 हेक्टेयर क्षेत्र आरक्षित है, जहां 4 ब्रिडिंग सेल हैं। सफारी के विभिन्न जोन लायन सफारी, डियर सफारी, एंटीलोप सफारी, बियर सफारी और लेर्पड सफारी। इसका बड़ा हिस्सा आरक्षित वन क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है। यहां पंचवटी वृक्षों (बरगद, आंवला, अशोक, बेल और पीपल) की प्रजातियों से भरा हरित आवरण है। पूरा क्षेत्र 7800 मीटर लंबी बफर बॉर्डर वॉल से सुरक्षित है, जो वन्यजीवों को बाहरी खतरों से बचाता है। 2014 में गुजरात के चिड़ियाघरों से 8 शेरों को यहां लाया गया जिनमें से कुछ कुत्ते की बीमारी (कैनाइन डिस्टेंपर) से प्रभावित हुए लेकिन अमेरिका से आयातित वैक्सीन के बाद अब यहां 19 एशियाई शेर (7 नर और 12 मादा) हैं। पार्क में 247 प्रजातियों के पक्षी, 17 स्तनधारी प्रजातियां और 10 सरीसृप प्रजातियां भी हैं।

यह सफारी पार्क जनता के लिए 24 नवम्बर, 2019 से खुला। लायन सेगमेंट को अंतिम चरण में जोड़ा गया। आज यह उप्र का एकमात्र मल्टीपल सफारी पार्क है, जो एशियाई शेर जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शेर ब्रिडिंग सेंटर न केवल प्रजनन को बढ़ावा देता है, बल्कि आनुवंशिक विविधता को बनाए रखने में भी सहायक है। पर्यावरणीय दृष्टि से पार्क जलवायु परिवर्तन के दौर में जैव विविधता के संरक्षण का प्रतीक है। यहां आने वाले पर्यटक न केवल शेरों को उनके प्राकृतिक वातावरण में देख सकते हैं, बल्कि 4डी थिएटर के माध्यम से वन्यजीवों के करीब महसूस भी कर सकते हैं।

सवाल है कि इसका रखरखाव और विकास कैसे सुनिश्चित हो ताकि यह प्रमुख पर्यटन स्थल बने। पार्क की डिजिटल बुकिंग सिस्टम को मजबूत किया जाना, इको-फ्रेंडली आवास सुविधाएं बढ़ाना और स्थानीय समुदायों को रोजगार से जोडने की जरुरत है। सौर ऊर्जा के उपयोग, जो अभी कम है, को बढ़ाकर इसे ग्रीन टूरिज्म मॉडल बनाया जा सकता है। चंबल नदी के निकट होने से नेशनल चंबल सैंक्चुअरी के साथ इंटीग्रेटेड टूर पैकेज विकसित किए जाएं। इस पार्क का बजट आवंटन बढ़ाया जाए तो यह न केवल राष्ट्रीय, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर भी चमकेगा। पर्यटक बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया कैंपेन और स्कूलों के लिए एजुकेशनल टूर्स आयोजित किए जाएं।

गौरतलब है कि एशियाई शेर, जो गिर वन (गुजरात) तक सीमित हैं, भारत के प्रतीक हैं। यहां आकर हम अपनी जैव विविधता की जिम्मेदारी समझते हैं। बच्चे और युवा वन्यजीव संरक्षण के महत्त्व को सीख सकते हैं, जो आज के पर्यावरण संकट के समय में आवश्यक है। पर्यटन के चलते इटावा जैसे छोटे शहरों में रोजगार सृजन होता है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। आगरा (ताज महल) से मात्र 2 घंटे और लखनऊ से 3 घंटे की दूरी पर स्थित होने से यह एक्सेसिबल है। यह अनूठा अनुभव प्रदान करता है, अपनी कार से शेरों को नजदीक से देखना जो अजायब घर की कैद से अलग है, यह हमें प्रकृति से जोड़ता है। भारतीयों को यहां आकर गर्व महसूस करना चाहिए कि हमारा देश ऐसे प्रयास कर रहा है, जो वैश्विक स्तर पर वन्यजीव संरक्षण में योगदान दे रहा है।

इटावा लायन सफारी केवल पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि संरक्षण, शिक्षा और सतत विकास का प्रतीक है। सरकार, वन विभाग और नागरिकों के संयुक्त प्रयासों से इसे और समृद्ध बनाया जाए। हर भारतीय को कम से कम एक बार यहां आना चाहिए प्रकृति की पुकार सुनने के लिए, अपनी जड़ों से जुडने के लिए।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

कफसिरप से बच्चों की मौत की खबरें चिंताजनक, दवाओं की गुणवत्ता पर निगरानी रखना सबसे बड़ी जरूरत

नीरज कुमार दुबे

मध्य प्रदेश और राजस्थान से बच्चों की मौतों की जो खबरें आईं, उन्होंने पूरे देश की नींद उड़ा दी है। महज़ खांसी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारी के लिए दी जाने वाली खांसी की दवा, बच्चों के जीवन पर इतनी घातक साबित होगी, इसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। पिछले एक महीने में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा ज़िले में 9 बच्चों की मौत और राजस्थान के विभिन्न जिलों में 3 बच्चों की मौत ने चिकित्सा व्यवस्था, दवा नियमन और प्रशासनिक सतर्कता, तीनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हालांकि केंद्र सरकार ने साफ़ किया है कि मध्य प्रदेश से लिए गए 19 सैंपल्स में से 9 की जांच रिपोर्ट में डायथिलीन ग्लाइकोल या एथिलीन ग्लाइकोल जैसी जानलेवा रसायनों की मौजूदगी नहीं पाई गई है। हम आपको बता दें कि यह वही तत्व हैं जिन्होंने 2019 में जम्मू और 2022-23 में गाम्बिया व उज्बेकिस्तान जैसे देशों में भारतीय दवाओं को लेकर वैश्विक स्तर पर विवाद ख हम आपको बता दें कि छिंदवाड़ा के पारासिया और आसपास के गांवों में अगस्त के अंत से बच्चों में सर्दी-खांसी और हल्का बुखार देखा गया। डॉक्टरों ने उन्हें साधारण खांसी की सिरप और दवाएं दीं। लेकिन कुछ ही दिनों में बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी, पेशाब कम होना, शरीर में सूजन और किडनी से जुड़ी जटिलताएं बढ़ने लगीं। नतीजतन, नौ मासूमों की जान चली गई और पांच बच्चे नागपुर में विशेष इलाज के लिए भर्ती हैं। राजस्थान में हालात और भी उलझे हुए हैं। सरकार द्वारा मुफ़्त दवा योजना में बांटी जा रही डेक्स्ट्रोमेथॉर्फ़न-आधारित सिरप लेने के बाद सीकर, भरतपुर और बांसवाड़ा के कई बच्चों में गंभीर लक्षण दिखे, जैसे- उल्टी, चक्कर, बेहोशी और घबराहट। इनमें तीन बच्चों की मौत भी हो चुकी है। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने भले ही इन मौतों को सीधे दवा से जोड़ने से इंकार किया हो, लेकिन तत्काल प्रभाव से संबंधित कंपनियों की दवाओं की आपूर्ति रोक दी गई है। जयपुर स्थित Kaysans Pharma की 19 दवाओं पर रोक इसीलिए लगाई गई क्योंकि कंपनी की दवा गुणवत्ता का रिकॉर्ड पहले से संदिग्ध रहा है। कंपनी के 10,119 सैंपल्स में से 42 घटिया पाए गए थे। देखा जाये तो भारत दुनिया का फार्मेसी हब कहलाता है, लेकिन समय-समय पर घटिया दवाओं के मामले हमारी छवि को धूमिल करते हैं। सवाल यह है कि जब दवा कंपनियों के खिलाफ पहले से संदिग्ध रिपोर्ट थीं, तो उन्हें सरकारी योजनाओं में शामिल क्यों किया गया? साथ ही विशेषज्ञ लगातार कहते आए हैं कि दो साल से छोटे बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए। लेकिन ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों में अक्सर बिना उचित परामर्श के इन्हें दिया जाता है। यही लापरवाही जानलेवा बनती है। केंद्र सरकार ने तो फ़िलहाल रक्क के सैंपल्स को सुरक्षित बताया है, लेकिन बाकी रिपोर्टें अभी आनी बाकी हैं। जब तक सभी जांच पूरी नहीं होतीं, तब तक कोई भी निष्कर्ष जल्दबाजी होगा। फ़िर भी राज्यों और केंद्र के बयानों में तालमेल की कमी आम जनता की चिंता बढ़ाती है। अक्सर देखने में आता है कि ग्रामीण परिवार खांसी-जुकाम को हल्का समझकर बच्चों को अपने आप ही दवाएं दे देते हैं। यहां यह समझना ज़रूरी है कि बच्चों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता अलग होती है और कई दवाओं के दुष्प्रभाव घातक हो सकते हैं।

इस बीच, स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को साफ़ हिदायत दी है कि दो साल से छोटे बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं न दी जाएं। डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को इसके लिए विशेष प्रशिक्षण और दिशा-निर्देश जारी करने होंगे। आगे की राह क्या हो यदि इस पर गौर करें तो सबसे पहला काम यह होना चाहिए कि जिन कंपनियों का रिकॉर्ड खराब है, उनकी दवाओं को सरकारी आपूर्ति श्रृंखला से तत्काल हटाया जाना चाहिए। साथ ही, फ़र्मा कंपनियों के लिए कठोर ऑडिट और बार-बार टेस्टिंग अनिवार्य की जानी चाहिए। इसके अलावा, जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की भूमिका अहम है, वहां दवाओं के सही उपयोग और खुराक के बारे में स्पष्ट गाइडलाइन दी जानी चाहिए। साथ ही परिवारों को बताना चाहिए कि बच्चों को बिना डॉक्टर की सलाह के खांसी-जुकाम की सिरप न दें। साधारण घरेलू देखभाल जैसे भाप, गर्म पानी और साफ़-सफ़ाई कई बार ज्यादा प्रभावी होती है। इसके अलावा, मौत के मामलों पर स्पष्ट रिपोर्ट जनता के सामने समय पर लाना सरकार की ज़िम्मेदारी है, ताकि अफ़वाहें और डर न फैलें।

देखा जाये तो यह केवल छिंदवाड़ा या राजस्थान का मामला नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है। बच्चों की ज़िंदगी से जुड़ा यह संकट हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हमारी दवा निगरानी प्रणाली उतनी सख्त है, जितनी होनी चाहिए? क्या हमने स्वास्थ्य सेवाओं में सतर्कता और ज़िम्मेदारी को पर्याप्त महत्व दिया है? बहरहाल, इन सवालों के जवाब केवल जांच रिपोर्टों से नहीं, बल्कि प्रणालीगत सुधारों से आएंगे। आज ज़रूरी है कि हर मौत को गम्भीरता से लिया जाए, ताकि भविष्य में कोई मासूम अपनी जान न गंवाए। यह हादसा केवल एक त्रासदी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने की अनिवार्य पुकार है।

गर्मियों के मौसम में जरूर खरीद लें ये 3 तरह के पाउडर

गर्मियों के मौसम में स्किन से जुड़ी कई समस्याएं होने लगती हैं, इसलिए समय रहते स्किन की देखभाल करना बेहद जरूरी है। स्किन केयर के लिए बहुत से लोग अलग-अलग तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं, लेकिन गर्मियों में केमिकल वाली चीजों के कारण परेशानी बढ़ सकती है। ऐसे में नैचुरल चीजों का इस्तेमाल करना शुरू करना चाहिए। गर्मियों में बार-बार पसीना आने की वह से रैशेज की समस्या होने लगती है। वहीं तेज धूप की वजह से स्किन डैमेज होने लगती है। इसलिए नैचुरल चीजों का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा है। यहां हम 3 ऐसे पाउडर के बारे में बता रहे हैं जो आपको गर्मियां शुरू होने से पहले जरूर खरीद लेने चाहिए।

चंदन पाउडर

स्किन के लिए चंदन पाउडर काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। इसकी तासीर ठंडी होती है, जिससे यह स्किन की जलन और इरिटेशन को शांत करने में मदद करता है। गर्मियों के स्किन केयर में इसे आसानी से शामिल किया जा सकता है। इस पाउडर का इस्तेमाल कई तरीकों से किया जा सकता है। ये रंगत सुधारने के साथ ही टैनिंग खत्म करने में मदद करता है। अच्छी बात ये है कि ये पाउडर सभी स्किन टाइप वाले लोग इस्तेमाल कर सकते हैं।

रोमांस को ऐसे रखें बरकरार

ऊबाऊ न बने जिन्दगी रोमांस को ऐसे रखें बरकरार

रिश्ते के शुरुआत में तो सभी कपल्स एक दूसरे की भावनाओं का पूरा ध्यान रखते हैं, लेकिन समय के साथ यह भावनाएँ कम या खत्म होने लगती हैं। इन परिस्थितियों के चलते ही दम्पत्ति अतिरिक्त वैवाहिक सम्बन्धों की ओर अपना कदम बढ़ाता है। गहन अध्ययन से यह निष्कर्ष सामने आया है कि ऐसी परिस्थितियों के लिए सिर्फ महिलाओं को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है, अपितु पुरुष भी इन परिस्थितियों का उतना ही जिम्मेदार होता है। आज हम पाठकों को कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं जिससे अपनी बोरियत भरी जिन्दगी में उत्साह और रोमांस को वापस लाया जा सकता है...

प्रेम बढ़ाने में मदद करता है लंच बॉक्स

कुछ वर्ष पूर्व इरफान खान की फिल्म लंच बॉक्स देखने का मौका मिला था। यह फिल्म बोरियत भरी जिन्दगी में रोमांस को वापस लाने का दस्तावेज थी। तरीका बेहद छोटा लेकर कारगर था और यह था लंच बॉक्स में प्रेम पत्र डालना। यदि आपकी जिन्दगी का भी यही रुख है तो आप इस फंडे को आजमा कर अपनी जिन्दगी में फिर से रोमांस ला सकते हैं। लंच बॉक्स में रखी एक छोटी सी चिट्ठी भी कभी कभी यह कहने का तरीका होता है कि मैं हर स्थिति में तुम्हारे साथ हूँ, चिंता मत करना। इससे दफ्तर में चल रहे काम के दबाव या तनाव को कम करने में भी मदद मिलती है और विपरीत स्थिति से लड़ने की ताकत भी।

रोमांटिक यादों को करें तरोताजा

अपनी बोरिंग शादीशुदा लाइफ में रंग भरने के लिए सबसे पहले अपनी लाइफ के रोमांटिक सुनहरे पलों को याद करें। उन पुरानी बातों को अपने पार्टनर के साथ फिर शेयर करें। अपनी पहली मुलाकात से लेकर रोमांटिक डेट भी शामिल करें। अपने पार्टनर को बताएं कि वो सभी प्यार भरे पल आपके दिल में आज भी एक खास जगह बनाए हुए हैं। फैंटेसीज और फीलिंग को एक दूसरे के साथ शेयर करते हुए बिल्कुल ना शर्माएं।

गले मिलकर अपनेपन का एहसास कराएं

रिलेशनशिप कोच अदिती सुराणा के मुताबिक अपने पार्टनर को बाहों में भरने से आप दोनों के बीच विश्वास जन्म लेता है। बाहों में भरने से ऑक्सिटॉक्सिन निकलता है जो कि हैप्पी हार्मोंस हैं। इससे दोनों पार्टनर के बीच सामंजस्य बढ़ता है। इसलिए रोजाना कुछ पलों के लिए सही पार्टनर को कसकर टाइट वाला हग जरूर करें। गौरतलब है कि स्वभाव से एक्सट्रोवर्ट लोग प्रतिदिन 8 बार गले लगना पसंद करते हैं। जोर से गले लगाने पर आप अच्छे से एक दूसरे से कनेक्टेड फील करते हैं।

साथी के साथ करें हंसी मजाक

हंसी मजाक हमेशा इंसान के दिमाग को तरोताजा रखने का काम करता है। व्हाट्सएप या अन्य सोशल मीडिया पर आने वाले चुटकुले या कोई व्यंग्य अकेले हंसने के लिए नहीं होता। आप इस हंसी में अपने जीवन साथी को भी शामिल कर सकते हैं। आपको अपनी दिनचर्या के दौरान जब भी थोड़ा सा वक्त अपने साथी के साथ बिताने को मिले तो एक-दूसरे के साथ हंसी-ठिठोली जरूर करें। हो सके तो कभी सिनेमा देखने चले जाएं, थिएटर जाए या फिर शाम को कहीं किसी रेस्ट्रा में खाना खाने जाए।

एक साथ करें घर का काम

शोध से पता चला है कि किसी भी काम के दौरान अगर आपका साथी आपके साथ है, तो आपकी परफॉर्मेंस अच्छी हो जाती है, साथ ही एनर्जी लेवल भी बढ़ता है। जब कपल्स साथ में एक्सर्साइज करते हैं, तो उनकी रिलेशनशिप और भी मजबूत होती है। जब कपल्स साथ में डांस क्लास जाते हैं, तो वह बेहतर तरीके से कनेक्ट होना शुरू कर देते हैं। इससे उनके रिश्ते में एक पॉजिटिव अंतर आने लगता है।

ट्राई करें लॉन्ग ड्राइव

कभी आपने शाम ढले काम से वापस लौटते मजदूरों को देखा है। चाहे साइकिल पर हों या फिर किसी ट्रैक्टर पर सवार, वे अपने साथी के साथ गंतव्य तक की इस छोटी सी राइड का भी आनंद लेते हैं, आने वाले कल का तनाव भुलाकर। यह सीखने की बात है। चाहे टू व्हीलर पर हो या फोर व्हीलर पर, एक लॉन्ग ड्राइव आपको तरोताजा बना सकती है।

लहसुन में समाए हैं सेहत के राज

भारतीय रसोई घर में लहसुन आसानी से मिल जायेगा और सर्दियों के सीजन में तो यह बहुत ही फायदेमंद होता है। तो आज लहसुन के कुछ स्वास्थ्य संबंधी गुणों के बारे में जानते हैं. लहसुन बैक्टीरियल और वायरल संक्रमण को रोकने में बहुत कारगर साबित होता है। यह फंगस, यीस्ट और कीड़े से होने वाले इन्फेक्शन को भी रोकने में मदद करता है। लहसुन कानों में दर्द हो, तो लहसुन के तेल को गर्म करके दो बूंद रोजाना दो बार 5 दिनों तक कानों में डालें। लहसुन में मौजूद जर्मेनियम, सेलेनियम और सल्फर तत्व दर्द उत्पन्न करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करने में सक्षम हैं। लहसुन का तेल तैयार करने के लिए लहसुन की 3 कलियों को कूटकर आधा कप ऑलिव ऑयल तेल में मिलाकर धीमी आंच पर 2 मिनट के लिए पकाएं। अब इसे छानकर 2 हफ्तों तक फ्रिज में रखें, इस्तेमाल में लाने से पहले हल्का-सा गर्म कर लें। लहसुन खाने से जुकाम नहीं होता है। साथ ही इसमें एंटी बैक्टीरियल गुण गले के दर्द से राहत दिलाता हैं। एजोइन यौगिक रक्त का थक्का बनाने में मदद करता है। जिनको हृदय संबंधी बीमारी होती हैं और रक्त का थक्का बनने में देर होता है उनके लिए यह बहुत मददगार है।

चेहरा होगा चमकदार

रसोई में रखें इन चीजों का करें उपयोग

बात सुंदरता की हो, तो उम्र मायने नहीं रखती। चाहे 16 साल की लडकी हो या 36 साल की महिला में इन में एक ही समानता होती है और वो खूबसूरत दिखने की चाहत। मगर कई महिलाएं ये समझ नही पातीं कि खूबसूरत स्किन पाने के लिए क्या करना चाहिए और किन चीजों से बचना चाहिए! आपकी इस दिक्कत को आसान बनाने और आकी खूबसूरती को नया निखार देने के लिए जुटाए हैं कुछ आसान और असरदार उपाय।

मिल्क क्लींजर- सामान्य एवं तैलीय त्वचा के लिए मिल्क क्लींजर अच्छे होते हैं। यह रोमछिद्रों में अटके बासी मेकअप, मृत कोशिका तथा धूल-मिट्टी को ठीक से साफ कर देते हैं। इसे उंगलियों के पोरों से चेहरे पर लगाएं। फिर गीली रूई से चेहरा साफ कर लें। हरी सब्जी को काट कर चेहरे पर लगाई जा सकती है। आलू के टुकडे रगड़ने से आंखों के नीचे पड़े काले घेरे गायब हो जाते हैं। कोई भी रसदार फल की फांक या उसका रस चेहरे पर मलने से चेहरे पर चमक आ जाती है। खीरे का रस भी चेहरे के लिए अच्छा रहता है। आधा चम्मच टमाटर का रस, आधा चम्मच तुलसी के पत्तों का रस, आधा चम्मच हरा धनिया के पत्तों का रस और आधा चम्मच पुदीने का रस, इन सबको मिलाकर रूई के फाहे से झांइयों पर लगाएं। यह प्रयोग सप्ताह में तीन बार करें। शीघ्र ही लाभ दिखाई देगा।

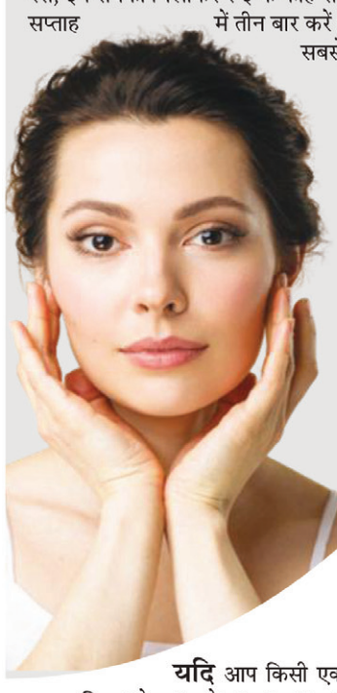

सबसे पहले तो एक बात जान लें कि धूप से त्वचा की रंग फीकी पड सकती है इसलिए सूर्य की यूवी किरणों से बचाव के लि एसपीएफ वाला सनस्क्रीन यूज करें। यदि आपकी स्किन बहुत ज्यादा ऑयली है तो ऑयल फ्री सनस्क्रीन लोशन लगाएं।

इन लोगों के घर भूलकर भी नहीं करना चाहिए भोजन

पौराणिक ग्रंथों में शामिल गरुड़ पुराण 18 महापुराणों में एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान विष्णु द्वारा जीवन, मृत्यु, स्वर्ग, नरक और पाप-पुण्य के कर्मों को विस्तार पूर्वक बताया गया है। गरुड़ पुराण का आचार खंड हमें कुछ ऐसे लोगों के बारे में जानकारी देता है जिनके घर पर हमें भोजन करने नहीं जाना चाहिए। इस तरह के व्यक्तियों के यहाँ भोजन करने से हम पाप के भागी बनते हैं।

सूदखोर व्यक्ति के यहाँ

गरुड़ पुराण के अनुसार उस व्यक्ति के घर भोजन नहीं करना चाहिए जो साहूकार हो या सूदखोर अर्थात धन को ब्याज पर देता हो। इन लोगों के यहाँ भोजन क्यों नहीं करना चाहिए इसका कारण बताते हुए गरुड़ पुराण में कहा गया है कि यह लोग दूसरों की मजबूरी और परेशानी का फायदा उठाते हैं और उनकी कठिन परिस्थितियों को धन कमाने का साधन बनाते हैं। असहाय और जरूरतमंद लोगों को साहूकार से मदद तो मिल जाती है लेकिन इसके बदले उन्हें मोटा ब्याज भी चुकाना पड़ता है। लोग दुखी मन और कठिन मेहनत के बाद ही साहूकार का पैसा चुका पाते हैं। इसलिए ऐसे लोगों के घर भोजन न करें, जिनके घर पर दूसरों की तकलीफ से कमाए धन से भोजन बनता हो।

किन्नर के घर

किन्नर को भोजन कराना या दान देने से बहुत पुण्य मिलता है। लेकिन इनके घर कभी भोजन नहीं करना चाहिए। इसका कारण यह है कि किन्नर कई तरह के लोगों से पैसा मांगते हैं, जिनमें अच्छे और बुरे भी होते हैं, इसलिए इनके घर पर भोजन करने की मनाही होती है।

अपराधियों के घर

आपराधिक कामों से जुड़े लोगों के घर भोजन नहीं करना चाहिए और न ही ऐसे लोगों से सम्बन्ध रखने चाहिए। गरुड़ पुराण के अनुसार, चोर, बदमाश, डाकू, लुटेरे और अपराधी गलत तरीके से धन अर्जित करते हैं, इसलिए इनके कमाए धन से भोजन नहीं करना चाहिए।

रोगी व्यक्ति के घर

रोगी व्यक्ति के घर पर कभी भोजन न करें। ऐसा इसलिए क्योंकि रोगी व्यक्ति स्वयं शारीरिक परेशानियों से ग्रसित रहता है। ऐसे में इनके घर पर भोजन कर आप इन्हें और कष्ट दे सकते हैं। इसलिए जब भी कोई व्यक्ति रोगी से मिलने उसके घर या अस्पताल जाता है तो वह खाली हाथ नहीं जाता है, बल्कि उनके लिए फल या खाने-पीने की चीजें साथ लेकर जाता है।

क्रोधी के यहां

गरुड़ पुराण के अनुसार, क्रोधी व्यक्ति के घर भोजन करने वाले को नर्क की प्राप्ति होती है। ऐसा व्यक्ति जो बात-बात पर क्रोधित होता हो और दूसरों का अनादर करता हो, उनके घर पर कभी भी भोजन नहीं करना चाहिए।

रिश्ते-नातेदार से पहले काम आता है पड़ोसी

यदि आप किसी एक जगह से शिफ्ट होकर दूसरे स्थान पर आए हैं या कोई अन्य आपके पड़ोस में रहने के लिए आया है तो आप जल्द से जल्द उससे जान-पहचान करें। कोई नया आपके पास में रहने आया है तो उनसे तुरंत मिलें और अपना परिचय देने के बाद उनसे कहें कि यदि कोई आवश्यकता हो तो बेहिचक आपको याद करें। आप उन्हें चाय-नाश्ते के लिए आमंत्रित करें, क्यों नये होने के कारण वे उस स्थान से अपरिचित होंगे। इसके साथ हो सके तो उन्हें आप अपने अन्य पड़ोसियों से मिलवाएँ, जिससे उन्हें नयापन और अकेलापन न लगे।

बुराई से बचें

कुछ लोग पड़ोसी से उनकी पर्सनल बातें पता कर लेते हैं और फिर दूसरे पड़ोसियों को बताते हैं, चुगली करते हैं, बुराई करते हैं। ऐसी गलती कभी न करें। किसी ने आप पर भरोसा कर के आपको अपने इतने करीब आने दिया है, उसका फायदा उठाकर उन्हें बदनाम न करें। इधर की बात उधर करने के स्वभाव के कारण कोई भी पड़ोसी आप पर भरोसा नहीं करेगा और ऐसा न हो कि वे इतना नाराज हो जाएं कि मुसीबत में भी आपकी मदद न करें।

बनाए अच्छा संबंध

पड़ोसी की बुराई करने से आपकी इमेज भी सब जगह खराब होती है।

त्योहारों पर गिफ्ट दें

त्योहारों पर हम सबको विश करते हुए मैसेज भेजते हैं। कई मौकों पर हम लोगों को गिफ्ट भी देते हैं लेकिन ऐसे मौकों पर पड़ोसियों को इग्नोर कर देते हैं। आपका पड़ोसी चाहे किसी भी धर्म का हो, आप हमेशा हर एक त्योहार में अपने पड़ोसी को विश करने जरूर जाएं। जहां जरूरत हो उन्हें गिफ्ट भी दें। इससे आपका रिश्ता मजबूत होगा।

आवश्यकतानुसार मदद करें

यदि आपके पड़ोस में कोई गरीब परिवार है, जिसकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ नहीं है तो आप पड़ोसी का फर्ज निभाते हुए उनकी मदद कर सकते हैं। अगर आपकी कमाई अच्छी है तो यह एक प्रकार आपका नैतिक कर्तव्य हो जाता है कि आप अपने से कमतर परिवार की कुछ मदद करें। यह मदद आप उन्हें नगद रुपये देकर नहीं अपितु उनके बच्चों के शिक्षा सम्बन्धी खर्चों में कुछ मदद करके कर सकते हैं। यदि उनको खाने पीने की परेशानी है तो इसमें भी आप उनको मदद कर सकते हैं। हर धर्म यही कहता है कि अपने सगे-सम्बन्धियों से पहले अपने पड़ोसी की मदद करो।

समारोह में शामिल करें

शादी, जन्मदिन, सालगिरह या कोई अन्य समारोह होने पर अक्सर हम अपने पड़ोसियों को बताना पसंद नहीं करते हैं। हमें लगता है कि वह लोग केवल चीजों की बुराई करेंगे। घर में कोई अच्छा काम होने पर अपने पड़ोसियों को जरूर बताएं। उनसे कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह करें। इससे आपके रिश्ते उनके साथ बेहतर हो जाएंगे।

रोज नहीं नहाना चाहिए होता है नुकसान

लोगों के रोजाना नहाने के कई कारण हो सकते हैं. कोई शरीर से आने वाली बदबू दूर करने के लिए नहाता है, किसी के लिए धार्मिक मान्यताओं के चलते रोजाना नहाना आवश्यक होता है, कोई जबतक नहा नहीं लेता तबतक फ्रेश महसूस नहीं करता तो किसी को वर्कआउट करने के चलते नहाना पड़ता है. लेकिन, जिन लोगों के पास उपरोक्त कोई कारण नहीं होता उनपर भी अक्सर नहाने के लिए दबाव बनाया जाता है. लेकिन, रोजाना नहाने के कुछ नुकसान भी हो सकते हैं.

रोजाना नहाने के नुकसान

रोजाना नहाने से स्किन जरूरत से ज्यादा इरिटेट और रूखी-सूखी (Dry Skin) हो सकती है. साथ ही, त्वचा पर खुजली की दिक्कत होने लगती है.

स्किन का बेरियर डैमेज हो जाता है जिससे बैक्टीरिया पनपने लगते हैं और स्किन इन्फेक्शन की चपेट में आ सकती है.

रोजाना नहाना शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी प्रभावित करती है. इसी चलते डॉक्टर कई बार बच्चों को रोजाना ना नहाने की सलाह देते हैं.

जो लोग एंटीबैक्टीरियल साबुन से रोजाना नहाते हैं उन्हें शायद इस बात का अंदाजा नहीं होता कि ये साबुन बुरे बैक्टीरिया ही नहीं बल्कि त्वचा को फायदा पहुंचाने वाले अच्छे बैक्टीरिया को भी नष्ट कर देते हैं.

रोजाना नहाने पर शरीर को कोई सेहत से जुड़ा फायदा नहीं मिलता है बल्कि पानी, साबुन, शैंपू और अन्य चीजों का नुकसान होता है सो अलग.

अगर आप रोज गरम पानी से नहाते हैं तो इससे आपके नाखूनों को भी नुकसान पहुंचता है. नहाते समय नाखून पानी अवशोषित कर लेते हैं और फिर सॉफ्ट होकर टूट जाते हैं. इनसे भी नेचुरल ऑयल निकल जाता है और ये रूखे और कमजोर हो जाते हैं.

रोज नहाना जरूरी नहीं है

साइंस कहती है कि रोज नहाने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम होती है. दुनियाभर के स्किन स्पेशलिस्ट मानते हैं कि ठंड में रोज न नहाना एक अच्छा डिसीजन है, क्योंकि जरूरत से ज्यादा नहाना हमारी स्किन के लिए अच्छा नहीं होता है. कई स्टडीज ये कहती हैं कि हमारी स्किन में खुद को साफ करने की बेहतर क्षमता होती है. अगर आप जिम नहीं जाते या रोजाना पसीना नहीं बहाते या धूल-मिट्टी में नहीं रहते हैं तो आपके लिए रोज नहाना जरूरी नहीं है.

विशेषज्ञ क्या कहते हैं?

जॉर्ज वॉशिंग्टन यूनिवर्सिटी (वॉशिंगटन डीसी, यूएस) के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर सी ब्रैंडन मिशेल कहते हैं कि नहाने से स्किन के नेचुरल ऑयल और गुड बैक्टीरिया निकल जाते हैं. ये गुड बैक्टीरिया इम्यून सिस्टम को भी सपॉर्ट करते हैं. इसलिए सर्दियों में सप्ताह में दो या तीन दिन ही नहाना चाहिए. एक अध्ययन के मुताबिक, ज्यादा नहाने से हमारे सुरक्षातंत्र को नुकसान पहुंचाता है. शरीर में रोगाणुओं-विषाणुओं से लड़ने की क्षमताएं कमजोर पड़ जाती हैं. इससे शरीर की खाना पचाने और उसमें से विटमिन व अन्य पोषक तत्वों को अलग करने की क्षमता भी प्रभावित होती है.

भारत के लोग ज्यादा नहाते हैं!

हाल ही में हुए एक सर्वे में पता चला है कि नहाने के मामले में दुनिया में शीर्ष देशों में भारत, जापान और इंडोनेशिया के लोग सबसे आगे हैं. अमेरिका और पश्चमि के देशों के कई शोध यह कहते हैं कि रोज नहाना महज पानी की बर्बादी नहीं, बल्कि शारीरिक और मानसिक तौर पर भी हानिकारक होता है.

पर्यवेक्षक अजय कुमार लल्लू ने ली मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग की बैठक

पर्यवेक्षक ने ब्लॉक के कार्यकर्ताओं से जिला अध्यक्ष के लिए रायशुमारी की

दुर्ग(समय दर्शन)। संगठन सृजन अभियान के तहत आज दुर्ग जिला के पर्यवेक्षक अजय कुमार लल्लू,सहायक पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री डोंडीलोहारा की विधायक श्रीमती अनिला भेड़िया,पूर्व विधायक यू.डी. मिंज ने आज मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग की आवश्यक बैठक राजीव भवन में ली एवं ब्लॉक के कार्यकर्ता पदाधिकारी से जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग का अध्यक्ष बनाने के लिए एक एक कार्यकर्ता से बंद कमरे में रायशुमारी की उनके विचार सुने। और कहा कि जननायक राहुल गांधी एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़के के निर्देशानुसार कांग्रेस पार्टी में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराया जाने का जो निर्णय लिया गया है उसका पालन करते हुए कार्यकर्ता की राय के अनुसार कार्यकर्ताओं के बीच से ही अध्यक्ष बनाया जाएगा। बैठक में पूर्व विधायक अरुण वोरा,पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल,आर एन वर्मा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री दीपक दुबे, सचिव अयूब खान, जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष गया पटेल,विमल छाया महापौर श्रीमती प्रेमलता साहू, कोशल किशोर सिंह,परमजीत भूई, मध्य ब्लॉक के अध्यक्ष अलताफ अहमद युवा कांग्रेस दुर्ग के अध्यक्ष आयुष शर्मा, एनएसयूआई दुर्ग के अध्यक्ष वरुण केवलतानी, महिला कांग्रेस दुर्ग की अध्यक्ष कन्या ढीमर,पार्षद अश्वनी निषाद,पूर्व पार्षद नजहत परवीन,भोला महोबिया,अशोक मेहरा, खोरबाहरा निषाद,राजकुमार वर्मा,शकुन ढीमर,श्रद्धा सोनी,सुरेंद्र सिंह राजपूत,फ्तेह सिंह भाटिया,मनदीप भाटिया,सरिता ताम्रकार ,अजय शर्मा, हेमंत तिवारी,पाशी अली,राहुल शर्मा, समयलाल साहू,गणेश सोनी,अमोल जैन,तनिष्क पाटनी,अली असगर, मीना मानिकपुरी,बिंदु राजपूत, बरसाती मटियारा,भीम सेन,गिरधर शर्मा, मनोज सिन्हा,राकेश सिन्हा, थानेश्वर साहू,मीना पाल,अबरार पूवार, वाहिद चौहान,पिंटू यादव,यश बाकलीवाल,चंद्रप्रकाश जैन,संजय ताम्रकार,शत्रुघन चक्रधारी,अशोक बाकलीवाल,कपिल निषाद, रामरतन जलतारे,पार्वती शेन्डे, अमन दुबे,एनी पीटर सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

उद्यम व्यापार के इस्त्री प्रोजेक्ट से देशभर के इस्त्रीवालों की आय में 100 करोड़ की बढ़ोतरी

रायपुर। उद्यम व्यापार ने आज एक उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा की है, इनके इस्त्री प्रोजेक्ट ने सितम्बर 2025 तक देश भर में इस्त्री करने वाले स्ट्रीट वेंडर्स को कुल आय में रु 100 करोड़ की बढ़ोतरी के लिए सक्षम बनाया है।

इस अवसर पर कृष्णन रंगनाथन, सह-संस्थापक, उद्यम लर्निंग फाउन्डेशन ने कहा, ''उद्यम में हमारा मानना है कि नैनो-उद्यमी भारत की अर्थव्यवस्था का आधार हैं, अगर इन्हें सही सहयोग मिले तो ये बड़ी आबादी के जीवन में सुधार ला सकते हैं। इस्त्री प्रोजेक्ट के साथ रु 100 करोड़ का आंकड़ा पार करना न सिर्फ हमारे लिए बल्कि हज़ारों वेंडर्स के लिए भी गौरव की बात है, जिन्होंने इस बदलाव को अपनाया है। यह दर्शाता है कि किस तरह स्थानीय आजीविका के समाधान राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव उत्पन्न कर, आय, स्वास्थ्य एवं पर्यावरणी परिणामों में सुधार ला सकते हैं।'

सायरिल जोसेफ़ प्रोग्राम हैड, इस्त्री प्रोजेक्ट, उद्यम व्यापार ने कहा, ''यह उपलब्धि उन हज़ारों वेंडर्स से जुड़ी है, जिन्होंने हम पर भरोसा किया और कोयले को छोड़कर एलपीजी को अपनाया। उन्होंने महसूस किया है कि वे किस तरह अपने कारोबार में बदलाव ला सकते हैं। इस्त्री प्रोजेक्ट की शुरूआत एक सरल विचार के साथ हुई थी, स्ट्रीट वेंडर्स को उनकी उत्पादकता बढ़ाने एवं ईंधन की लागत में सुधार लाने के लिए मदद करना। आज यह एक आंदोलन बन चुका है और उनकी आजीविका के साथ-साथ पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर रहा है।'

इस्त्री प्रोजेक्ट गलियों में इस्त्री करने वालों को कोयले के बजाए रियायती दरों पर एलपीजी आधारित आयरन बॉक्स उपलब्ध कराकर सदियों पुरानी इस्त्री उद्योग में बदलाव लाया है। इस इनोवेशन के चलते इन स्ट्रीट वेंडर्स की ईंधन की लागत कम होकर तकरीबन आधी हो गई है और उनकी उत्पादकता भी दिन में 2 घण्टे तक बढ़ गई है। इस तरह न सिर्फ वे अधिक ग्राहकों को सेवाएं प्रदान कर पाते हैं बल्कि उनकी कमाई भी बढ़ जाती है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में तेजी बढ़ रहा कोरोना का नया एक्सएफजी वैरिएंट

वाशिंगटन एजेंसी। कोविड-19 महामारी ने हाल के वर्षों में वैश्विक स्तर पर व्यापक तबाही मचाई थी। समय के साथ टीकाकरण और उपचार ने स्थिति में कुछ राहत प्रदान की, लेकिन वायरस का बदलता स्वरूप अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। अब कोरोना का नया एक्सएफजी वैरिएंट सामने आया है, जिसे स्ट्रेटस भी कहा जा रहा है। इससे लोगों में डर का माहौल है। अमेरिका में कोरोना के नए वैरिएंट के कई मामले सामने आए हैं। अमेरिका में यह ऐसे समय में आया है जब सर्दी जुकाम के मामले सबसे अधिक सामने आते हैं। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने 20 सितंबर 2025 तक कोविड गतिविधि को मध्यम स्तर का मूल्यांकन किया था, लेकिन नेवाडा, यूटा, कनेक्टिकट और डेलावेयर सहित 19 राज्यों में वायरस के उच्च या बहुत उच्च स्तर की रिपोर्टें आ रही हैं। स्ट्रेटस, जनवरी 2025 में दक्षिण-पूर्व एशिया में पहली बार देखा गया था और अब अमेरिका तक फैल चुका है। जून 2025 तक यह 38 देशों में पहुंच गया था, जिसके बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे निगरानी योग्य वैरिएंट का दर्जा दिया। चिकित्सक की सलाह पर एंटीवायरल दवाओं का सेवन करें प्रारंभिक लक्षणों के लिए घरेलू उपचार अपनाएं, जैसे गर्म पानी पीना, भाप लेना या हल्दी वाला दूध पीना, जो तत्काल आराम प्रदान कर सकते हैं। बुखार या दर्द के लिए सामान्य दवाएं लें, लेकिन डॉक्टर से परामर्श के बिना कोई औषधि न ग्रहण करें। पर्याप्त विश्राम और पौष्टिक आहार से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाएं।

75 लाख डॉलर में बिकी फ्रांसिस की कलाकृति

लंदन , एजेंसी। गोवा के मशहूर चित्रकार फ्रांसिस न्यूटन सूजा की कलाकृति 'हाउसेज इन हैम्पस्टेड' ने कला जगत में नीलामी का नया रिकार्ड बनाया है। लंदन में सोथबी की नीलामी में यह कलाकृति 75 लाख डॉलर से अधिक राशि में बिकी, जो इसकी निर्धारित कीमत से लगभग सात गुना अधिक है। इस दौरान, विभिन्न कलाकृतियों की बिक्री से कुल 2.55 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि हासिल हुई।

इस्राइली नौसेना ने गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रही फ्लोटिला को रोका

गाजा, एजेंसी। इस्राइली नौसेना ने भूमध्य सागर में गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे 450 अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इनमें यूरोपीय सांसद भी शामिल हैं। यह ग्लोबल सुमूद फ्लोटिला के माध्यम से फलस्तीनी लोगों की मदद करने आ रहे थे। बीते दो साल में अब तक के सबसे बड़े प्रयास के तौर पर उभरे इस फ्लोटिला को प्रतीकात्मक मानवीय सहायता और इस्राइल की मुखालफत के तौर पर भी देखा जा रहा है। इस्राइल ने इसे रोकने के बाद अशदोद बंदरगाह पर 600 पुलिसकर्मियों को तैनात कर कार्यकर्ताओं की पहचान और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की। यह कार्रवाई यहूदी धर्म के सबसे पवित्र दिन योम किप्पुर पर हुई। इस घटना के बाद दुनिया भर में विरोध प्रदर्शन भी हुए।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में विस्फोट, 4 पुलिसकर्मियों सहित 9 लोग घायल

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर शहर में गुरुवार को एक पुलिस वैन को निशाना बनाकर बम धमाके हुए। इसमें कम से कम नौ लोग घायल हो गए। घायलों में चार पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। घटना बाना मारा क्षेत्र में हुई, जहां वैन सड़क किनारे लगाए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) से टकरा गई। एक पुलिसकर्मी की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस प्रमुख डॉ. मियां सईद ने बताया कि जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि विस्फोट रिमोट-कंट्रोल डिवाइस से हुआ या आईईडी से। घटनास्थल से सबूत जुटाए जा रहे हैं।

जापान में पहली महिला पीएम बन सकती हैं

आयरन लेडी साने ताकेइची पांच उम्मीदवारों में सबसे मजबूत

टोक्यो, एजेंसी। जापान में पीएम शिगेरू इशिबा ने 7 सितंबर 2025 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अब उनकी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) पार्टी में 4 अक्टूबर को पार्टी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव है। जापान में बहुमत वाली पार्टी का अध्यक्ष ही पीएम बनता है। ऐसे में यह चुनाव जो भी जीतेगा उसे संसद में वोटिंग के बाद पीएम बनाया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष पद बनने की रेस में पांच उम्मीदवार हैं। लेकिन मुकाबला दो उम्मीदवारों के बीच ही है। क्योडो न्यूज की तरफ से रविवार को किए गए सर्वे के मुताबिक, पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची 34.4 प्रतिशत वोट के साथ सबसे आगे हैं। दूसरे नंबर पर कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी हैं, जिन्हें 29.3 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है। अगर ताकाइची यह चुनाव जीतती हैं तो वह जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनेंगी। वहीं, कोइजुमी चुनाव जीतते हैं तो वे देश के सबसे युवा (45 साल) पीएम बनेंगे।

साने ताकाइची- एलडीपी की दक्षिणपंथी कंजर्वेटिव, अबे की करीबी। संविधान संशोधन, राष्ट्रीय सुरक्षा पर मुखर । 2024 इलेक्शन में रनर-अप। पहली महिला पीएम बनने की दावेदार। भारत को स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनर मानती हैं। क्वाड और इंडो-पैसिफिक में सहयोग बढ़ाने पर जोर।

शिंजिरो कोइजुमी- पूर्व पीएम जुनिचिरो कोइजुमी के बेटे। युवा, मीडिया-फ्रेंडली, समलैंगिक विवाह, लिंग समानता पर उदार। 2024 इलेक्शन में तीसरे स्थान पर। सबसे युवा पीएम बनने की संभावना। भारत को ग्लोबल पार्टनर मानते हैं। टेक और पर्यावरण जैसे मुद्दों पर पर भारत से साझेदारी बढ़ाना चाहते हैं।

योशिमासा हयाशी- कई कैबिनेट पदों पर काम करने का अनुभव। पार्टी में एकता और आर्थिक स्थिरता पर फोकस है। भारत को मजबूत पार्टनर मानते हैं। फ्री एंड ओपन इंडो-पेसिफिक में सहयोग बढ़ाना चाहते हैं।

तोशिमित्सु मोटेगी- अर्थव्यवस्था, व्यापार विशेषज्ञ। ट्रम्प के साथ टैरिफ समझौता करने में खास भूमिका थी। जी4 (जापान-भारत-जर्मनी-ब्राजील) में यूएनएससी रिफॉर्म के लिए भारत का समर्थन। विदेश मंत्री के तौर पर भारत के साथ रक्षा, डिजिटल और जलवायु सहयोग बढ़ाया।

ताकायुकी कोबायाशी- हार्वर्ड ग्रेजुएट। फाइनेंस मिनिस्ट्री में काम करने का अनुभव। क्वाड फ्रेमवर्क में भारत को महत्वपूर्ण मानते हैं, लेकिन स्पष्ट बयान कम। रक्षा और अर्थव्यवस्था में साझेदारी को बढ़ावा।

बहुमत नहीं मिलने पर दोबारा वोटिंग होती है

एलडीपी के अध्यक्ष चुनाव में पार्टी के विधायक और सांसद के अलावा पार्टी मेंबर भी वोटिंग करते हैं। यदि पहले दौर में किसी को 51 वोट यानी स्पष्ट बहुमत न मिले, तो टॉप के दो उम्मीदवारों के बीच दूसरा दौर होता है। पार्टी अध्यक्ष का चुनाव जीतने के बाद विजेता को संसद में पीएम के लिए नामित किया जाएगा। बहुमत हासिल करने के बाद वह पीएम पद की शपथ लेगा।

शिगेरू इशिबा ने इस्तीफा क्यों दिया

शिगेरू इशिबा सितंबर 2024 में पीएम बने थे। वे पार्टी में आउटसाइडर थे, यानी उनका कोई गॉडफादर नहीं था। उन्होंने वादा किया था कि महंगाई और आर्थिक समस्याओं को ठीक करेंगे, लेकिन उनका समय मुश्किल भरा रहा।

1. चुनावी हार का झटका : अक्टूबर 2024 के निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव) चुनाव में एलडीपी-कोमेइतो गठबंधन बहुमत हार गया। फिर जुलाई 2025 के ऊपरी सदन (हाउस ऑफ काउंसलर्स) चुनाव में भी बुरी हार हुई। पार्टी को 1955 के बाद पहली बार दोनों सदनों में बहुमत गंवाना पड़ा।

2. पार्टी का दबाव : हार के बाद पार्टी के अंदरूनी लोग इशिबा पर इस्तीफे का दबाव डालने लगे। इनका आरोप है कि इशिबा बहुत उदार हैं, जबकि पार्टी को कंजर्वेटिव लीडर चाहिए। इशिबा ने 7 सितंबर 2025 को उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा- मैं पार्टी में फूट नहीं चाहता। अब नई पीढ़ी को मौका दूंगा।

लॉस एंजिलिस में रिफाइनरी में लगी भीषण आग

लॉस एंजिलिस , एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में एक रिफाइनरी में आग लग गई है। आग इतनी भयावह थी कि पूरा इलाका धुएं के गुबार में ढक गया। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम के प्रेस कार्यालय ने गुरुवार को इस संबंध में जानकारी दी है।

जानकारी के अनुसार, लॉस एंजिलिस काउंटी में शेवरॉन की एल सेगुंडो रिफाइनरी में आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए शहर के अग्निमन विभाग को सूचना दे दी गई, जिसके बाद आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू हो गया। वहीं, बताया जा रहा है कि इस आग का अभी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कोई प्रभाव नहीं है।

इस रिफाइनरी में आग क्यों लगी इसके वजहों की जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। हालांकि, सीबीएस ने कहा कि विस्फोट की सूचना मिलने के बाद अधिकारी और अग्निशमन कर्मी रिफ़ाइनरी पहुंचे। एल सेगुंडो में पुलिस को किसी के तत्काल घायल होने या निकासी की जानकारी नहीं है।

वहीं, इस घटना को लेकर शेवरॉन ने अपनी वेबसाइट पर बताया है कि रिफाइनरी की कुल निर्धारित क्षमता 290,000 बैरल प्रतिदिन है और इसके मुख्य उत्पाद गैसोलीन, जेट और डीजल हैं। बताया गया है कि इसकी कुल भंडारण क्षमता लगभग 150 प्रमुख टैंकों में 12.5 मिलियन बैरल है। (समाचार एजेंसी रॉयटर्स के इनपुट के साथ)

साम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के बोर्ड ने 355 करोड़ रुपये के फोरेन करन्सी कन्वर्टिबल बॉन्ड को मंजूरी दी

तेलंगाना : लिडिंग कन्फेक्शनरी मेन्युफेक्ररर, साम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड (BSE: 530617) के बोर्ड ओफडिरेक्टर्स ने 3 अक्टूबर 2025 को 4 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के फोरेन करन्सी कन्वर्टिबल बोन्ड (एफ्सीसीबी) जारी करने पर विचार किया और उसे मंजूरी दे दी है - जो 355.06 करोड़ रुपये के बराबर है। कंपनी एफ्सीसीबी की सब्सक्रिप्शन अमाउन्ट के अनुसार 1 लाख अमेरिकी डॉलर प्रति बॉन्ड के 400 एफ्सीसीबी जारी करेगी। एफ्सीसीबी फंड का उपयोग ईजिप्त और लाइबेरिया (मोनरोविया) जैसे उभरते बाजारों में कंपनी की ग्लोबल फूटप्रिन्ट को व्यापक बनाने के उद्देश्य से किया जाएगा। यह टार्गेट एक्सपान्शन हाई-ग्रोथ हो वेसै क्षेत्रों में कंपनी की उपस्थिति को मज़बूत करने, रेवन्यु स्ट्रीम में विविधता लाने और अंतर्राष्ट्रीय एफ्एमसीजी क्षेत्रों में उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया है। कंपनी ने प्रमुख प्रबन्धक - एरीज़ कैपिटल लिमिटेड, जो एक ईन्वेस्टमेन्ट मेनेजमेन्ट कंपनी है, उसके साथ एक समझौता किया है, जिसे इस इश्यू को सूचीबद्ध करने और अंडरराइटिंग करने के उद्देश्य से नियुक्त किया गया है। यह निर्गम कंपनी अधिनियम, 2013 और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (पूंजी निर्गम एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2018 के अनुसार है। एफ्सीसीबी 10 अक्टूबर 2025 से 15 अक्टूबर 2025 तक स्टॉक एक्सचेंज, अप्रिनेक्स एक्सचेंज मॉरीशस पर उपलब्ध रहेंगे। 19 सितंबर को हुई बोर्ड मिटिंग में बोनस ईश्यू और स्टॉक स्प्लिट को मंजूरी दी गई। कंपनी बोर्ड ने 10 रुपये अंकित मूल्य वाले एक इक्विटी शेयर को 5 रुपये अंकित मूल्य वाले दो इक्विटी शेयरों में विभाजित/उप-विभाजित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। बोर्ड ने 1:1 के रेशियो में बोनस को मंजूरी दी - 5 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक फुल्ली पेइडअप इक्विटी शेयर के लिए 5 रुपये अंकित मूल्य वाला एक बोनस इक्विटी शेयर। कंपनी बोर्ड ने इसे भी मंजूरी दे दी।

यूरोपीय नेताओं से मिलना तो मुश्किल, लेकिन...

पीएम मोदी के मुरीद हुए डच कंपनी के अधिकारी

पेरिस , एजेंसी। दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता पीएम मोदी की तारीफ अब डच सेमीकंडक्टर दिग्गज एएसएमएल के वैश्विक जनसंपर्क मामलों के कार्यकारी उपाध्यक्ष, फ्रैंक हेम्सकेर्क ने की है।

उन्होंने बताया कि एएसएमएल के सीईओ ने हाल के दिनों में ही पीएम मोदी से मुलाकात की। उन्होंने यहां तक कह दिया कि यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं तक पहुंच आसान नहीं है, जबकि भारत के पीएम के साथ ऐसा नहीं है।

एएसएमएल के सीईओ ने की थी पीएम मोदी से मुलाकात: दरअसल, हाल के दिनों में ही डच सेमीकंडक्टर दिग्गज एएसएमएल के सीईओ ने पीएम मोदी से करीब 2 घंटे की मुलाकात की थी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल उनकी बात सुनी, बल्कि कंपनी से प्रतिक्रिया देने का आग्रह भी किया।

पीएम मोदी के मुरीद हुए एएसएमएल के अधिकारी: एएसएमएल के अधिकारी ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे (कंपनी के सीईओ) कहा कि आप बहुत मिलनसार हैं, मुझे बताएं कि हम क्या बेहतर कर सकते हैं। बता दें कि बातचीत के दौरान फ्रैंक हेम्सकेर्क से पूछा गया कि क्या सभी नेताओं के साथ मिलना आसान होता है, तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि यह हमेशा आसान नहीं होता। आम तौर पर तो व्हाइट हाउस में किसी वरिष्ठ अधिकारी से मिलना, कमिश्नर से मिलने से कहीं ज्यादा आसान है।

उन्होंने कहा कि यूरोपीय नीति निर्माताओं को प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरणा लेनी चाहिए। राजनीतिक नेताओं को उन कंपनियों के साथ बैठना चाहिए जो निवेश कर रही हैं। वहीं, इसी बातचीत के दौरान एएसएमएल के फ्रांसीसी एआई फर्म मिस्ट्रल के साथ हाल ही में हुए 1.3 बिलियन यूरो के सौदे पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि यह आसान है क्योंकि यह एक यूरोपीय कंपनी है और हम एक दूसरे को बेहतर तरीके से समझते हैं।

भारत भी सेमीकंडक्टर चिप्स बनाने पर दे रहा जोर

डच उद्योगपति की ओर से पीएम मोदी की प्रशंसा ऐसे समय पर की गई है, जब भारत सेमीकंडक्टर क्रांति के कगार पर है और सेमीकंडक्टर चिप्स के विकास में साहसिक प्रगति कर रहा है। अगस्त के महीने में पीएम मोदी को विक्रम नामक पहली भारत में बनी चिप भेंट की गई। इसको इसरो की सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला ने विकसित किया था। इसी साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लालकिला की प्रचीर से देश को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने घोषणा की थी कि मेड इन इंडिया चिप वर्ष के अंत तक बाजार में आ जाएगी।

हमलों से डरा कनाडा का थिएटर, 'कांतारा' सहित कई भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग रद्द

ओंटारियो, एजेंसी। कनाडा के ओंटारियो प्रांत के ओकविल शहर में स्थित फिल्म.सीए सिनेमाज ने हाल ही में अपने परिसर में हुई दो हिंसक घटनाओं के बाद भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दी है। सिनेमा मैनेजमेंट का कहना है कि यह निर्णय दर्शकों और कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

सिनेमा हॉल के सीईओ जेफ नॉल ने एक बयान जारी कर कहा, ÷हम समझते हैं कि हमारे कई मेहमान इन फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हमें इस असुविधा और निराशा के लिए खेद है, लेकिन स्टाफ और दर्शकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

है।÷ नॉल ने यह भी कहा कि चूंकि घटनाएं देर रात के समय हुई हैं, इसलिए ऐसा प्रतीत होता है कि हमलावरों का उद्देश्य संपत्ति को नुकसान पहुंचाकर थिएटर को बंद करने के लिए मजबूर करना है। पहली घटना 25 सितंबर की सुबह हुई, जब दो नकाबपोश हमलावर गैस कैन लेकर सिनेमा के मुख्य द्वार पर पहुंचे और आग लगा दी। यह घटना तड़के लगभग 5:20 बजे की है। पुलिस के मुताबिक आग को समय रहते बुझा लिया गया, जिससे नुकसान सीमित रहा। सीसीटीवी फुटेज में हमलावर एक सफेद एसयूवी में आते दिखाई दिए, जबकि उसी रात एक ग्रे रंग की एसयूवी को पार्किंग क्षेत्र के आसपास कई बार घूमते देखा गया।

दूसरी घटना 2 अक्टूबर को रात करीब 1:50 बजे हुई, जब एक अज्ञात हमलावर ने सिनेमा के दरवाजों पर कई गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गया। सौभाग्य से, दोनों घटनाओं के समय सिनेमा हॉल के अंदर कोई मौजूद नहीं था और किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

फैबइंडिया ने 'स्वर्णिम 2025' कैम्पेन के तहत पेश किया नया करवा चौथ कलेक्शन

फैबइंडिया ने अपने 'स्वर्णिम 2025' कैम्पेन के तहत नया करवा चौथ कलेक्शन लॉन्च किया है7 खास अवसरों के लिए डिज़ाइन किए गए इस कलेक्शन में फैशन और होम डेकॉर के ऐसे विकल्प शामिल हैं जो करवा चौथ के उत्सव को और भी यादगार बनाने में मदद करते हैं। यह कलेक्शन लाल, मैजेंटा और सुनहरे रंगों के शानदार पैलेट में तैयार किया गया है और इसमें अपैरल से लेकर होम डेकॉर तक की आकर्षक रेंज शामिल है। इसमें बुनी हुई साड़ियाँ, कढ़ाईदार कुर्ते, बंदगला जैकेट और रेशम, सूती व विस्कोस के मिश्रण से बने दुपट्टे शामिल हैं। इनके साथ माहिर कारीगरों द्वारा डिज़ाइन किए गए ज्वेलरी और एक्सेसरीज़ की एक सिलेक्टेड रेंज भी उपलब्ध है, जो संपूर्ण फेस्टिव स्टाइलिंग को पूरा करती है। घर के माहौल को भी उत्सवमय बनाने के लिए, फैबइंडिया ने होम डेकॉर की रेंज पेश की है जिसमें टेबल लिनेन, कुशन, सर्ववेयर और अन्य सजावटी वस्तुएँ शामिल हैं। गहरे लाल और मैजेंटा रंगों में सुनहरी सजावट पारंपरिक त्योहारों के लिए एक शानदार स्पर्श जोड़ती है। परंपरा और आधुनिकता के मेल से सजा यह कलेक्शन स्टाइलिंग, गिफ्टिंग और सेलिब्रेशन के लिए एकदम उपयुक्त है।

खबर-खास

कलेक्टर ने की एग्रीस्टेक पंजीयन एवं धान खरीदी तैयारी की समीक्षा

भाटापारा (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक सोनी ने सोमवार को कृषि, खाद्य, सहकारिता एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर छूटे हुए किसानों का एग्रीस्टेक में पंजीयन एवं आगामी खरीफसीजन में समर्थन मूल्य में धान खरीदी की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने छूटे हुए किसानों का शीघ्र पंजीयन पूर्ण कराने एवं सुचारु रूप से धान खरीदी के लिए आवश्यक तैयारी के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने कहा कि अब तक सर्वाधिक किसानों का एग्रीस्टेक में पंजीयन बलौदाबाजार -भाटापारा जिले में हुआ है फिर भी कुछ किसान पंजीयन के लिए छूटे है। इनमे नगरीय निकाय, अन्य राज्यों के एप्प में पंजीयन एवं वनाधिकार पत्र वाले किसान शामिल हैं। उन्होंने समितिवार छूटे हुए किसानों का समय पर पंजीयन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने आगामी खरीफसीजन हेतु समर्थन मूल्य में धान खरीदी की तैयारी के लिए समितियों एवं संग्रहण केंद्रों में आवश्यक व्यवस्था, धान उठाव, निगरानी, किसानों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने कहा। उन्होंने बताया कि इस बार लगभग 39 नये खरीदी केंद्र बनाए जा रहे है। नवीन केंद्रों में भी सभी मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

साई मंदिर में नेत्र परीक्षण शिविर का जरूरतमंदों को मिला लाभ

दुर्ग (समय दर्शन)। लायंस क्लब दुर्ग विजन द्वारा सेवा सप्ताह में समाजसेवी एवं रचनात्मक गतिविधियों को पूरे उत्साह के साथ मूर्तरुप प्रदान किया जा रहा है। सेवा सप्ताह के श्रृंखला में क्लब द्वारा सिविललाइन कसारीडीह स्थित साईं मंदिर में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आंखों की जांच के लिए लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित जिज्ञासी एवं उनके स्टाफ ने सेवा दी। शिविर में जांच के दौरान एक रोगी को मोतियाबिंद की शिकायत मिली। उक्त रोगी का क्लब द्वारा नि:शुल्क आपरेशन कराया जाएगा। दो लोगों को चश्मा की आवश्यकता पर उन्हें तुरंत चश्मा उपलब्ध कराए गए।

इसके अलावा अन्य रोगियों की आंखों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिए गए। शिविर से 100 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। इसके पहले नेत्र परीक्षण शिविर का लायंस क्लब के सदस्यों द्वारा विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब दुर्ग रीजन अध्यक्ष एमजेएफ लायन आरके वर्मा एवं सेवा सप्ताह संयोजक एमजेएफलायन पीबी सक्सेना ने सेवा सप्ताह के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन लायन डॉ. रुचि सक्सेना ने किया इस अवसर पर लायन विशाल राजहंस, सुनंदा स्वामी, विभा गुप्ता, राजलक्ष्मी तिवारी, विनती अग्रवाल,दुर्गेश नंदिनी दुबे, श्री साईं मंदिर समिति अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ, सचिव धनेंद्र सिंह चंदेल, उपाध्यक्ष शिवाकांत तिवारी,कोषाध्यक्ष सुजीत गुप्ता के अलावा लायंस क्लब के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

टाटा मैजिक चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में मिली सफलता

मुंगेली(समय दर्शन)। प्रार्थी नंदू साहू पिता सगुन साहु उम्र 32 वर्ष निवासी सांवा थाना सरगांव जिला मुंगेली छ.ग. का दिनांक 04.10.2025 को रोज की तरह गैस डिलेवरी कर वाहन टाटा मैजिक गोल्ड क्रमांक सीजी 12 बीडी 8335 को गोदाम के अंदर आफिस के सामने खड़ी कर मेन गेट पर ताला लगाकर अपने घर चला गया था कि रात्री करीब 09.00 बजे मैं मछली पकड़ने के लिये गांव के नाला में जाली लगाया था करीबन रात्रि 12.30 बजे नाला से पथरिया मोड राजश्री गुटखा लेने मोटर सायकल से आ रहा था तो देखा की गैस गोदाम का मेन गेट खुला हुआ था पास जाकर देखा गेट में ताला नहीं था अंदर खड़ी डिलेवरी वाहन टाटा मैजिक छोटा हाथी नही था कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है कि रिपोर्ट पर थाना सरगांव मे अपराध क्रमांक 147/25 धारा 305(ए), 332 बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।मामला चोरी के प्रकरण का होने से मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) के द्वारा त्वरित कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया जिसके परिपालन मे अति.पुलिस अधीक्षक सुश्री नवनीत कौर छाबड़ा एवं अनुविभागीय अधिकारी श्री नवनीत पाटिल के मार्गदर्शन मे थाना सरगांव पुलिस के द्वारा अज्ञात आरोपी व चोरी गये टाटा मैजिक की लगातार पतासाजी की जा रही थी कि जरिये मुखबीर सूचना मिला कि एक व्यक्ति बैतलपुर अंडर ब्रिज में काफी देर से टाटा मैजिक वाहन एवं मोटर सायकल होण्डा साईन को टाटा मैजिक के उपर रखकर काफी समय से संदिग्ध स्थित पर खड़ा है कि सूचना पर पुलिस स्टाफद्वारा घेराबंदी कर संजय पटेल पिता स्व. ईतवारी उम्र 43 वर्ष निवासी बिरकोना थाना कोनी जिला बिलासपुर छ.ग. को पकडे थाना लाकर पूछताछ किया गया जो आरोपी के द्वारा टाटा मैजिक क्रमांक सीजी 12 बीडी 8335 को चोरी करना साथ ही होण्डा साईन सीजी 07 एई 3321 को भिलाई से चोरी करना स्वीकार किया।

बीएससीपीएल टोल प्लाजा को बनाया 'स्वास्थ्य केंद्र', ट्रक ड्राइवरों को नि:शुल्क आई टेस्ट और चश्मे वितरित

महासमुंद(समय दर्शन)। बीएससीपीएल आरंग टोल्वे लिमिटेड ने 'स्वच्छता पखवाड़ा' के तहत माँ रुद्रेश्वरी देवी मंदिर सिंघोड़ा के बाद एक बार फिर ढांक टोल प्लाजा पर लगाया विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

सड़क सुरक्षा और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, बीएससीपीएल आरंग टोल्वे लिमिटेड ने ढांक टोल प्लाजा पर एक विशाल नि:शुल्क नेत्र जांच एवं स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह शिविर राष्ट्रीय पहल 'स्वच्छता पखवाड़ा' के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

यह पूरा आयोजन इंसिडेंट मैनेजर पवन प्रशांत सिंह के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर की संपूर्ण व्यवस्था और समन्वय का कार्य कंट्रोल रूम एग्जीक्यूटिव महावीर सोनी द्वारा उत्कृष्ट रूप से संभाला गया, जिन्होंने सुनिश्चित किया कि सभी आगंतुकों को बिना किसी परेशानी के सेवा मिल सके।

शिविर का मुख्य लाभ ट्रक चालकों और टोल से गुजरने वाले सामान्य यात्रियों को मिला। यातायात सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले चालकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह जाँच विशेष रूप से महत्वपूर्ण थी।

शिविर में प्रदान की गई सेवाएँ:

नेत्र जाँच : आँखों की विस्तृत जाँच की गई। बीपी (रक्तचाप) और शुगर जाँच: मधुमेह और उच्च रक्तचाप की प्राथमिक जाँच की गई।

नि:शुल्क चश्मे का वितरण: जाँच के उपरांत आवश्यकतानुसार कई लोगों को आँखों के चश्मे भी वितरित किए गए।

इस नेक पहल में, पीएचसी झलप से नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर पुष्पलता नाग और सिया राम हॉस्पिटल की टीम ने विशेषज्ञता और सहयोग प्रदान किया, जिससे यह स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। बीएससीपीएल आरंग टोल्वे लिमिटेड की इस पहल की स्थानीय समुदाय और यात्रियों ने सराहना की है, जो दर्शाता है कि कंपनी केवल टोल प्रबंधन तक सीमित न रहकर सामाजिक जिम्मेदारी के कार्यों में भी सक्रिय है।

एग्रीस्टेक पंजीयन एवं फसल सर्वेक्षण सूची का विशेष ग्रामसभा में किया गया पठन

भाटापारा (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार विशेष ग्रामसभा में खरीफविपणन वर्ष 2025-26 की तैयारी हेतु एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत कृषकों और उनके जमीनों की सूची तथा ग्रामवार, कृषकवार डिजिटल फसल सर्वेक्षण और गिरदावरी रिपोर्ट की सूची पंचायत भवन में चस्पा करते हुए पठन किया गया।

अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गौते ने तहसील भाटापारा के ग्राम पंचायत सुरखी में आयोजित ग्रामसभा बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वे और गिरदावरी रिपोर्ट का पठन कराया। इसके साथ ही तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार द्वारा विभिन्न ग्राम पंचायतों में उपस्थित होकर एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत कृषकों और उनके जमीनों तथा डिजिटल फसल सर्वेक्षण एवं गिरदावरी सूची चस्पा सुनिश्चित कराते हुए पठन कराया गया। इसीतरह तहसील कसडोल के ग्राम पंचायत ठाकुरदिया, बरबसपुर ,मोहतरा, दर्रा, तहसील लवन के ग्राम पंचायत खैंदा, भालुकोना तहसील पलारी के ग्राम पंचायत मुड़पार,तहसील टुंडरा के ग्राम पंचायत बलौदा, तहसील बलौदाबाजार के ग्राम पंचायत शुक्लाभाठा,तहसील भाटापारा के ग्राम पंचायत सुरखी,तहसील सोनाखान के ग्राम पंचायत गोलाझर,तहसील सिमगा के ग्राम पंचायत नेवधा एवं

तहसील सुहेला के ग्राम पंचायत रावन में भी विशेष ग्रामसभा का आयोजन किया गया।

गुरू तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी दिवस की शोभायात्रा के स्वागत हेतु गुरूद्वारा में सर्व समाज की बैठक

बसना(समय दर्शन)। धन धन श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350 वीं शहीदी दिवस पर विशाल शोभा यात्रा रायपुर से निकली है। जो छत्तीसगढ़ के विभिन्न नगरों से होकर आगामी 9अक्टूबर 2025 को लगभग मध्याह्न 1बजे बसना नगर पहुँचेगी। जो जगदीशपुर ओव्हर ब्रिज से विधायक निवास होते हुए गुरूबख्स सिंह होरा के निवास के पास से भव्य शोभायात्रा नगर कीर्तन नगर के मुख्य मार्ग होते हुए गुरूद्वारा पहुँचेगी। बसना सिक्ख समाज के अध्यक्ष जसवंत सिंह सलूजा , मनजीत सिंह छावड़ा के नेतृत्व में सिक्ख समाज के द्वारा भव्य स्वागत किया जायेगा। सिक्ख समाज बसना के द्वारा स्वागत की भव्य तैयारी की जा रही है। सिक्ख समाज बसना के अध्यक्ष जसवंत सिंह सलूजा ने सभी समाज प्रमुखों को आमंत्रित करते हुए शहीदी शोभायात्रा में शामिल होने की अपील की है।

लो फिर कलई खुली चौथे खंबे की पोल, सवर्णों ने बताया वसूली किसी का एकाधिकार नहीं

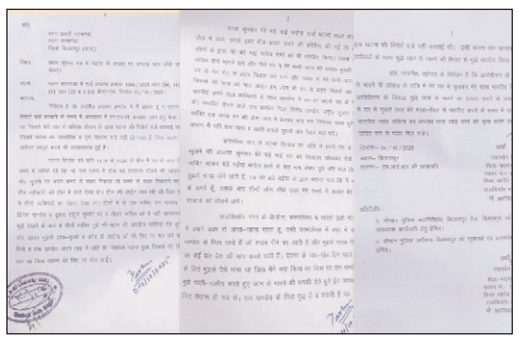

बिलासपुर (समय दर्शन)। लोकतंत्र का चौथा खंभा और उसमें काम करने वाले घर में घुसकर मारपीट कर रहे हैं। राजकिशोर नगर जहां के निवासी आमतौर पर उच्च मध्यम वर्गीय हैं के क्षेत्र में एक ऐसी घटना हुई जिसमें चंदाखोर युवकों पर पीड़ित परिवार ने नामजद आरोप लगाया कि वे चंदा उगाही के लिए न केवल बलात घर में घुसे पुरुष महिला सदस्यों से मारपीट की और पुलिस ने कुछ नाम को बचाने के चक्कर में अन्य लिखा।

इस मामले में पीड़ित पक्ष और सामाजिक तत्व दोनों सवर्ण हैं। चंदा दो किस्म में से लिया जाता है एक को सहयोग कहते हैं और दूसरे को वसूली यहां पर वसूली हो रही थी।

सूत्र बताते हैं कि वसूली चंदे की के पीछे कोयला धंधे का गुण है राहुल शुक्ला जो नाम आया है उसे अभी हाल ही में शहर के एक मीडिया क्लब की सदस्यता हासिल हुई है। वंशानुगत आधार पर... राजनीति में जिस परिवारवाद की आलोचना पत्रकार करते हैं अपने धंधे में उसे गलत नहीं मानते इस मीडिया संस्थान की सदस्यता बताती है कि कम से कम बिलासपुर में तो पत्रकारिता करके ना केवल घर गृहस्ती चलाई जा सकती है बल्कि महंगी एक्सयूवी भी मेंटेन हो सकती है। पौश क्षेत्र में मीडिया का आधुनिक दफ्तर भी रखा जा सकता है। घटना ने इसमें थोड़ा सा संशोधन किया यह सब वसूली से होता है पत्रकारिता से नहीं....

रोजगार दिवस पर ग्रामीणों को मिलेगी क्यूआर कोड प्रणाली की जानकारी

दुर्ग। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में एक नई डिजिटल पहल की जा रही है। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आगामी 07 अक्टूबर 2025 को आयोजित रोजगार दिवस के अवसर पर ग्रामीणों को क्यूआर कोड प्रणाली की जानकारी दी जाएगी। इस पहल के तहत अब ग्रामीण अपने मोबाइल फोन से पंचायत भवन या सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर पंचायत से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी तुरंत प्राप्त कर सकेंगे।

मनरेगा से दुलार सिंह के यहां हुआ डबरी विकास, जल संरक्षण और आजीविका का सशक्त माध्यम

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। ग्रामीण जीवन का आधार सदैव कृषि और पशुपालन रहा है, परंतु इन दोनों ही कार्यों की आत्मा है जल। यदि जल की व्यवस्था सुदृढ़ हो जाए तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था स्वयं सशक्त हो जाती है। इसी सोच को साकार रूप दिया है ग्राम पंचायत जाटा के ग्राम बहेराडीह निवासी किसान श्री दुलार सिंह ने, जिन्होंने मनरेगा योजना के माध्यम से अपनी भूमि पर डबरी निर्माण कर आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है। डबरी निर्माण होने से पूर्व श्री दुलार सिंह को अपने खेतों की सिंचाई हेतु जल की कमी रहती थी, जिससे सीमित फसल ही ले पाते थे। इसके अलावा बतख पालन, मछली पालन एवं धान की खेती की सिंचाई करने के लिए हमेशा पानी की कमी को महसूस करते आ रहे थे, ऐसे में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से ग्राम पंचायत जाटा में श्री दुलार सिंह के खेत पर डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत ग्राम जाटा के किसान श्री दुलार सिंह द्वारा अपनी निजी भूमि पर डबरी निर्माण कार्य कराया गया। इस कार्य के लिए 2.14 लाख की प्रशासकीय राशि स्वीकृत की गई इसका कार्य प्रारंभ हुआ और जून 2024 को पूर्ण हुआ।

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला कबीरधाम छ.ग //ईश्तहार//

ई कोर्ट नंबर 202508080700045/ ब-121 / 2024-25 ग्राम-कवर्धा, प.ह.नं.13

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनुराधा मिश्रा आ. देवकृष्ण मिश्रा, निवासी ग्राम वार्ड नंबर 13 गुप्ता पारा कवर्धा, तहसील कवर्धा, जिला कबीरधाम के द्वारा अपने स्वयं के लिए केन्द्र सरकार के अन्तर्गत शैक्षणिक संस्थाओं / शासकीय नौकरी में प्रवेश होने हेतु वर्ष 2022-23 के लिए आर्थिक आधार पर आरक्षण (आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र) का प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु आवेदमय शपथ पत्र, आय प्रमाण पत्र, शैक्षणिक दस्तावेज सहित प्रस्तुत किया गया है। आवेदक के द्वारा अपनी माता गायत्री मिश्रा के नाम पर ग्राम गतौरी जिला-बिलासपुर में 1000 एक हजार वर्गफीट का खाली प्लाट होना अपने नोटरीयुक्त शपथपत्र में उल्लेखित किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो अथवा आवेदक एवं उनके परिवार के संपत्ति के बारे में जानकारी देना हो तो दिनांक 06.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे तक मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति पेश अथवा जानकारी प्रदाय कर सकते हैं।

आज दिनांक 22.09.2025 को मेरे न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

मुहर

तहसीलदार कवर्धा
जिला-कबीरधाम

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला कबीरधाम छ.ग //ईश्तहार//

ई कोर्ट नंबर 202508080700046/ ब-121/2024-25 ग्राम-कवर्धा, प.ह.नं. 13

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवा मिश्रा आ. देवकृष्ण मिश्रा, निवासी ग्राम - वार्ड नंबर 13 गुप्ता पारा कवर्धा, तहसील कवर्धा, जिला कबीरधाम के द्वारा अपने स्वयं के लिए केन्द्र सरकार के अन्तर्गत शैक्षणिक संस्थाओं/शासकीय नौकरी में प्रवेश होने हेतु वर्ष 2022-23 के लिए आर्थिक आधार पर आरक्षण (आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र) का प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु आवेदमय शपथ पत्र, आय प्रमाण पत्र शैक्षणिक दस्तावेज सहि त प्रस्तुत किया गया है। आवेदक के द्वारा अपनी माता गायत्री मिश्रा के नाम पर ग्राम गतौरी जिला- बिलासपुर में 1000 एक हजार वर्गफीट का खाली प्लाट होना अपने नोटरीयुक्त शपथपत्र में उल्लेखित किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो अथवा आवेदक एवं उनके परिवार के संपत्ति के बारे में में जानकारी देना हो तो दिनांक 06.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे तक मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति पेश अथवा जानकारी प्रदाय कर सकते हैं।

आज दिनांक 22.09.2025 को मेरे न्यायालय की मुंहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

मुहर

तहसीलदार कवर्धा
जिला-कबीरधाम

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, निशांत कुमार आत्मज श्री सुरेश झा, उम्र 39 वर्ष, निवासी एम.आई.जी-778, विश्व बैंक कॉलोनी, कुरुद, भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग) का हूँ। मेरा वास्तविक नाम निशांत कुमार है जो कि मेरे जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र व शैक्षणिक प्रमाण पत्र में दर्ज है, किन्तु मेरे ड्राइविंग लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट में निशांत कुमार झा दर्ज है जिसे परिवर्तित कर वास्तविक नाम निशांत कुमार को दर्ज किया जाए। नाम परिवर्तन के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर दिया हूँ।

अत: अब से मुझे निशांत कुमार आत्मज श्री सुरेश झा के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा व दर्ज किया जावे।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मैं शपथकर्ती अन्नपूर्णा यादव ध.प. श्री विष्णु यादव उम्र 63 वर्ष, निवासी-म.नं.-346 उरला, बजरंग पारा, वार्ड नं. 57, दुर्ग, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम अन्नपूर्णा यादव, ध.प. श्री विष्णु यादव दर्ज है, जो कि मेरा सत्य, सही व वास्तविक नाम है, पूना बाई मेरा घरेलू नाम है। मेरे व अन्य के संयुक्त नाम पर मौजा उरला, प.ह.नं. 16, रा.नि.मं. सिकोला, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) में स्थित ख.नं. क्रमश: 75/1, 140/1. रकबा क्रमश: 0. 3150 हे. 0.2270 हे. कृषि भूमि स्थित है, जिसके ऑनलाईन अभिलेख बी-1, पी-2, ऋण पुस्तिका एवं नक्शा में मेरा नाम त्रुटिवश मेरा घरेलू नाम पूना बाई दर्ज हो गया है, तथा मेरे नाम से जारी राशन कार्ड एवे पैन कार्ड में मेरा नाम अन्नपूर्णा दर्ज है।

उपरोक्त दर्शित तीनों नाम अन्नपूर्णा यादव, अन्नपूर्णा, एवं पूना बाई एक ही व्यक्ति का नाम है, जो कि मेरा ही नाम है, तथा मैं तीनों नामो से जानी पहचानी व पुकारी जाती हूं।मैं अपने नामों में एकरूपता लाना चाहती हूं अर्थात भविष्य में अन्नपूर्णा एवं पूना बाई को त्यागकर अपना वास्तविक नाम अन्नपूर्णा यादव (ANNPURNA YADAV) पत्नि-विष्णु यादव (VISHNU YADAV) के नाम से जानी पहचानी जाउंगी। इस कारण मैं अपना दोनों नामों को समस्त दस्तावेजों मे सुधारकर उसके स्थान पर अन्नपूर्णा यादव अन्नपूर्णा यादव (ANNPURNA YADAV) पति-विष्णु यादव (VISHNU YADAV) दर्ज करवाना चाहती हूं।

इसकी सत्यता के समर्थन में यह शपथ पत्र गजट प्रकाशन हेतु श्रीमान सक्षम प्राधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत करती हूं।

शपथकर्ती

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ: जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00019 दुर्ग ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध

प्रकरण क्रमांक- आरडी 202425430103900368

//ईश्तहार//

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00019 के अंतर्गत ग्राम दुर्ग के वर्तमान भूमिस्वामी निर्मला देवीध.प. प्रकाशचंद रतनबोहरा पिता/पति-पता-दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमाक 733/21(0.0140) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/केता प्रकाश जैन पिता/पति-अभय राजजैन पता-शिवपारा दुर्ग, पूजा मनीष जैन पिता/पति-प्रकाश जैन पता-शिवपारादुर्ग , राहुल जैन पिता/पति-प्रकाश जैन पता-शिवपारा दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फौली होने के उपरात नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षर कर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 08/10/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आम मुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/09/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. / 202509103800032/ /अ-20(1)/ वर्ष 2024-25

//ईश्तहार//

आवेदक नरेश कुमार जैन पिता डी. के. मारूति निवासी हुडको भिलाई द्वारा पेश आवेदन अनुसार आमदी नगर हुडको भिलाई स्थित नजूल भूमि खसरा नं. 1/2, 2/2 का भाग, शॉप नं. 32 ए मार्केट, रकबा 75.00 वर्गमीटर भूमि बी.एस.पी. द्वारा नरेश कुमार जैन के नाम पर आबंटित है। उक्त आधार आवेदक द्वारा स्वयं के नाम पर नामांतरण करते हुए नवीन पट्टा प्रदान करने आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 29.10.2025 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा कराया जावे, नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/ आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं की जावेगी गया।

आज दिनांक 29.09.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया है।

नजूल जाँच अधिकारी
दुर्ग

मुहर

!! न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 03 (छ.ग.) !!

रा.प्र.क्र.-202509103300035/अ-6/ वर्ष 2024-25

//उद्घोषणा//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रविशंकर पिता चित्ताराम निषाद, निवासी चंगोरी तहः व जिला दुर्ग के द्वारा आवेदन किया है कि मौजा ग्राम चंगोरी प.ह.न. 30 रा.नि.म. अंजोरा (ख) तह व ज़िला दुर्ग स्थित भूमि खसरानंबर 1284 रकबा 0.010 हे. भूमि को विक्रेता उमेन्द्र निषाद आ. स्व. पतिराम निषाद निवासी चंगोरी तह. व जिला दुर्ग छ.ग. से दिनांक 26.08.2019 को क्रय किया गया था जिसका ग्रंथ कमांक 34393 पृष्ठ 375 से 393 विलेख क्रमांक 3013 है। उक्त भूमि का आवेदक द्वारा प्रमाणीकरण कराया गया, जिसका नामांतरण पंजीकृमांक 88 वर्ष 2018-19 पारित आदेश दिनांक 28.09. 2019 है जिसके आधार पर आवेदक के नाम पर ऋण पुस्तिका कमांक 2900716 जारी किया गया तथा उक्त भूमि पर आवेदक/केता द्वारा क्रय दिनांक से काबिज है। राजस्व अभिलेख (ऑनलाईन) भूईया साफ्टवेयर में खसरा नंबर 1284 रकबा 0.010 हे. भूमि वर्तमान में विक्रेता के पुत्र भूजेन्द्र आ. उमेन्द्र का नाम दर्ज हो गया है। जो कि गलत दर्ज हो गया है उक्त भूमि को राजस्व अभिलेख (ऑनलाईन) भूईया साफ्टवेयर में खसरा नंबर 1284 रकबा 0.010 हे. भूमि आवेदक/केता के नाम दर्ज किया जाना न्यायहित में होगा। आवेदक प्रकरण के संबंध म आवश्यकता दजस्तावेज साक्ष्य स्वरूप प्रस्तुत करता है व भविष्य में आवश्यकता अनुसार साक्ष्य व दस्तावेज प्रस्तुत करने का अधिकारी रखता है। अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 16.10.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 23.09.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

//न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग, जिला- दुर्ग (छ.ग.) //

//उद्घोषणा//

रा.प्र.क्र./ई-कोर्ट रजि.न. 202509100400449 अ-2/2024-25

पक्षकार-श्री प्रवीण सिंह ठाकुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्री प्रवीण सिंह ठाकुर आ. श्री उधो सिंह ठाकुर, निवासी पंचशील नगर दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम -बघेरा प.ह.न.48 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 178/35 रकबा 0.0140 हे./ 1500 वर्गफिट भूमि को उसके आवासीय प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु छ.ग.भू.रा.स. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5)के तहत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/शासकीय विभाग/सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति- दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते है। नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति - दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 24/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
दुर्ग, जिला दुर्ग

मुहर

नाम परिवर्तन

मैं शपथकर्ती हेमलता यादव ध.प. श्री रोशन लाल यादव उम्र लगभग 40 वर्ष मकान नं.-346, उरला बजरंग पारा, वॉर्ड नं.-57, तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.), मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम हेमलता यादव, ध.प. श्री रोशन लाल यादव दर्ज है, जो कि मेरा सत्य, सही व वास्तविक नाम है, लता मेरा घरेलू नाम है।

मेरे व अन्य के संयुक्त नाम पर मौजा उरला, प.ह.नं. 16, रा.नि.मं. सिकोला, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) में स्थित ख.नं. कमश: 75/1, 140/1, रकबा कमश: 0. 3150 हे., 0.2270 हे. कृषि भूमि स्थित है, जिसके ऑनलाईन अभिलेख बी-1, पी-2, ऋण पुस्तिका एवं नक्शा में मेरा नाम त्रुटिवश मेरा घरेलू नाम लता दर्ज हो गया है, तथा मेरा नाम से जारी राशन कार्ड में मेरा नाम हेमलता बाई यादव व शैक्षणिक दस्तावेज में मेरा नाम हेमलता दर्ज है।

उपरोक्त चारों नाम हेमलता यादव, हेमलता बाई यादव, हेमलता एवं लता एक ही व्यक्ति का नाम है, जो कि मेरा ही नाम है, तथा मैं चारो नामों से जानी पहचानी व पुकारी जाती हूं।

मैं अपने नामों में एकरूपता लाना चाहती हूं अर्थात् भविष्य में हेमलता बाई यादव, हेमलता एवं लता को त्यागकर अपना वास्तविक नाम हेमलता यादव (HEMLATA YADAV) ध.प. श्री रोशन लाल यादव (ROSHAN LAL YADAV) के नाम से जानी पहचानी जाउंगी। इस कारण मैं अपना तीनों नामों को समस्त दस्तावेजों में सुधार कर उसके स्थान पर हेमलता यादव (HEMLATA YADAV) ध.प. श्री रोशन लाल यादव (ROSHAN LAL YADAV) दर्ज करवाना चाहती हूं।

इसकी सत्यता के समर्थन में यह शपथ पत्र गजट प्रकाशन हेतु श्रीमान सक्षम प्राधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत करती हूं।

शपथकर्ती

दुर्ग के 15 साल के बालक आगम सुराना 13 अक्टूबर को राजस्थान में लेंगे श्री जैन भागवती दीक्षा

मुमुक्षु आगम ने अपने जन्मदिन पर मां-पिता से उपहार स्वरुप मांगी थी दीक्षा की अनुमति

दुर्ग (समय दर्शन)। महेश कॉलोनी पुलगांव का राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण रविवार की दोपहर लोगों की आंखों में भाव के आंसुओं से भीगा रहा। एक परिवार को अपने महज 15 वर्ष के पुत्र को धर्म, संयम और तप के मार्ग पर विदा करते हुए देखना उनके लिए किसी परीक्षा से कम नहीं था। यह अवसर था दुर्ग निवासी बालक आगम सुराना के दीक्षा पूर्व वरघोड़ा और अभिनंदन समारोह का। दुर्ग के इतिहास में जैन समाज में पहली बार इतनी अल्पायु में किसी परिवार का बालक जैन भागवती दीक्षा लेने जा रहा है। महेश कॉलोनी में हुए समारोह में मुमुक्षु आगम समेत उनके पिता जयजी सुराना, माता शीतल सुराना, बहनें विदुषी और यशस्वी समेत परिवार के लोगों ने इस भाव यात्रा का नाटक क माध्यम स प्रस्तुत िकया। इसमें मुमुक्षु आगम का वैराग्य का भाव जागने से लेकर माता-पिता और गुरुदेव की आज्ञा मिलने तक का वृतांत जीवंत बताया गया।

उनकी जैन भागवती दीक्षा जैनाचार्य श्रीश्री 1008 रामलालजी मसा और उपाध्याय प्रवर राजेश मुनिजी मसा के मुखारविंद से राजस्थान के दशनोक में 13 अक्टूबर को होगी। मुमुक्षु आगम ने बताया कि साल 2022 में दुर्ग में हर्षिम मुनि आदि ठाणा 2 के चातुर्मास के दौरान मेरी धर्म, ध्यान के प्रति रुचि बढ़ी। मैं शिवपारा के भवन में बीते कुछ वर्षों से विराजमान साध्वी हेमप्रभा मसा से नियमित भेंट कर धर्म चर्चा करता। साल 2023 म पारवार क साथ स राजस्थान का यात्रा के दौरान आचार्य रामलाल मसा के शिविर में भी शामिल हुआ। तब दादी से अनुमति ली।

उसके बाद से मन में वैराग्य का भाव और प्रबल हो गया। फिर ब्यावर में हुए 10 दीक्षा समारोह में शामिल हुआ तो मेरा मन पक्का हो गया। साल 2024 में माता-पिता को बताया, तो उन्होंने मुझे प्रेमवश आज्ञा नहीं दी। लगातार उन्हें मनाने का प्रयास किया। 6 मई 2025 को अपने जन्मदिन पर माता-पिता से उपहार में मुनि दीक्षा की अनुमति मांगी, तब उन्होंने आज्ञा दे दी। एक माह पूर्व 1 सितंबर को आचार्य रामलाल जी मसा से भी दीक्षा की अनुमति मिल गई।

संक्षिप्त-खबर

सृष्टि कॉलोनी में हुआ अध्यक्ष चयन, अमित बजाज और अलका वासनिक को मिली जिम्मेदारी

राजनांदगांव (समय दर्शन)। सृष्टि कॉलोनी में रविवार की शाम 7 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें कॉलोनी के विकास एवं अतिक्रमण जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में लगभग 60 से 70 लोगों की उपस्थिति रही, जिनमें पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल थे।

बैठक में सर्वसम्मति से अमित बजाज को पुरुष वर्ग का अध्यक्ष एवं अलका वासनिक को महिला वर्ग का अध्यक्ष चुना गया। कॉलोनीवासियों ने दोनों को बधाई देते हुए उनसे कॉलोनी के हित में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई।

कार्यक्रम के दौरान वार्ड पार्षद डुरेंद्र साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कॉलोनी में हो रहे अतिक्रमण पर चर्चा करते हुए कहा कि मुख्य मार्ग पर बनाई गई बाऊंड्रीवॉल और पेड़ लगाकर किए गए कब्जों को जल्द ही हटाया जाएगा। साथ ही पार्षद ने बताया कि जिन लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया है, उन्हें नोटिस प्राप्त हो चुकी है और निगम द्वारा शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा पार्षद ने साफ-सफाई, सड़क लाइट व्यवस्था एवं गौ माता से संबंधित समस्याओं के समाधान का भी आश्वासन दिया। बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई, जिसमें कॉलोनीवासियों ने पार्षद एवं नई समिति के साथ मिलकर सृष्टि कॉलोनी को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने का संकल्प लिया।

फुलझर अंचल को कबड्डी मे एक और उपलब्धि

बसना(समय दर्शन)। डा सी वी रमन यूनिवर्सिटी बिलासपुर मे होने वाले पूर्वी क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन कबड्डी पुरुष प्रतियोगिता हेतु पीपलीपाली बसना निवासी रम्भा भोई एवं स्व. रामरतन भोई के सुपुत्र हिमांशु भोई जो की विप्र महाविद्यालय रायपुर मे बीपीएड के छात्र है द्य

उनका चयन पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की टीम मे लगातार तीसरी बार हुआ है द्य सेक्टर स्तरीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे हिमांशु का शानदार प्रदर्शन रहा द्य राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे टीम ने उपविजेता होने का गौरव प्राप्त किया था द्य टीम के कोच के रूप मे मनोज प्रधान एवं मैनेजर प्यारेलाल साहू विश्वविद्यालय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे द्य खिलाडी ने अपनी इस सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत एवं अपने प्रशिक्षक व परिवार जनो को दिया है ।

बढती उमस से खरीफ फसलों में रोग एवं कीट लगने की संभावनाएं बढ़ी

जांजगीर (समय दर्शन)। जिले में लगातार हो रही बारिश से किसानों में अच्छे फसल की आस बनी है 7 वही वर्त्तमान में हो रही अधिक वर्षा वातावरण में नमी को बढाती है एवं बारिश के बाद तेज धूप से उमस की स्थिति बनती है 7 उमस के कारण धान की फसल में कीट और रोग लगने की संभावनाएं बढ़ रही है 7 अधिक नमी और मध्यम तापमान कीटों और रोग कारक फफूंदों के फैलाव के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाते हैं । ऐसे में रोग एवं कीटों का हमला किसानों की चिंता बढ़ा सकती है । सामन्यत: इस स्थिति में धान की फसलों में भूरा माहू ,पेनिकल माइट और गंधी बग जैसे कीट देखने को मिलते है तथा इसके अलावा धान की फसल पर मुख्य रूप से शीथ ब्लाइट (चरपा) जैसे रोग लगने की संभावना बनती है श्री मनीष कुमार मरकाम प्रभारी उप संचालक कृषि जांजगीर ने किसान बंधुओ को इस विषम परिस्थिति में अपने धान की फसल को इन कीट एवं रोग से बचाव के लिए आवश्यक सुझाव साझा किया है, जो निम्नानुसार है :-

भूरा माहू:- गभोट एवं बाली की अवस्था में यह कीट धान की फसल में दिखाई देते है 7 यह पौधों से पोषक रस चूस कर पौधों को कमजोर कर देता है 7 इस कीट के अधिक प्रकोप से उत्पादन की कमी देखने को मिलती है 7 इस कीट से फसल को बचाव हेतु ब्युपरोफेजीन 25 प्रतिशत एस.सी. 800 मि.ली. / हेक्टेयर का प्रयोग करें । इसके अलावा आवश्यकता अनुसार पाइमट्रोजिन 50 डब्ल्यू.जी. 300 ग्राम या ट्राईफ्लूमिथोपाइरम 10 प्रतिशत एस.सी. 235 मि.ली./हे. का छिड़काव करें । धान के खेत में 2 दिन पानी भरकर पानी निकासी 2 से 3 अंतराल पर करने में कीटो की बढ़वार को कम कर सकते है ।

पेनिकल माइट (लाल मकड़ी) :- धान में बाली निकलने से लेकर मिल्किंग अवस्था में रस चूसता है 7 इसके प्रकोप से बालियों में दाने नही बनते है।

विद्यालय निरीक्षण में खुली शिक्षकों की लापरवाही, बीईओ डॉ. प्रतिभा मंडलोई ने दिए कड़े निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन)। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी पथरिया डॉ. प्रतिभा मंडलोई ने सोमवार को विभिन्न शासकीय स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला भटगांव, प्राथमिक शाला जागताकापा तथा प्राथमिक शाला सोनपुरी का दौरा किया।निरीक्षण के दौरान डॉ. मंडलोई ने मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान, 90+ परीक्षा आंकलन, पाठक पंजी एवं शिक्षक डायरी का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों से पढ़ाई की जानकारी ली। बच्चों से बातचीत में उन्होंने यह जाना कि किस प्रकार शिक्षण कार्य संचालित किया जा रहा है और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।भटगांव प्राथमिक शाला में निरीक्षण के समय 4 में से 3 शिक्षक उपस्थित पाए गए, वहीं पूर्व माध्यमिक शाला भटगांव में 7 में से केवल 3 शिक्षक उपस्थित थे, एक शिक्षक गिरदावरी ड्यूटी पर और शेष अवकाश पर पाए गए। इस पर बीईओ ने सभी शिक्षकों को नियमित रूप से विद्यालय आने एवं शिक्षण कार्य में पूर्ण मनोयोग से जुड़ने के निर्देश दिए।सबसे गंभीर स्थिति प्राथमिक शाला सोनपुरी में पाई गई, जहाँ विद्यालय निर्धारित समय से पहले बंद पाया गया। इस पर उन्होंने विद्यालय के प्रधान पाठक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बीईओ डॉ. मंडलोई ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार तभी संभव है जब शिक्षक समय पर विद्यालय पहुँचकर पूरे समर्पण से बच्चों को शिक्षित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों के विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी पथरिया श्रीमती डॉ.प्रतीभा मंडलोई शिक्षा विभाग की प्राथमिकता गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शिक्षक अनुशासन सुनिश्चित करना।

एक लाख के ईनामी नक्सली सहित दो महिला नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

गरियाबंद (समय दर्शन)। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत शासन की आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति तथा गरियाबंद पुलिस के समर्पण हेतु अपील से प्रभावित होकर आज प्रतिबंधित संगठन सीपीआई माओवादी के डीजीएन डिवीजन के 3 माओवादियों द्वारा हिंसा एवं विनाष के मार्ग को त्याग कर आत्मसमर्पण किया।

समर्पण किए नक्सलियों में नागेश उर्फरामा कवासी ,जैनी उर्फ देवे मडकम,मनीला उर्फ सुंदरी कवासी कई बड़ी घटना में शामिल रहे है। वर्तमान में माओवादियों कि खोखली हो चुकी विचारधारा व माओवादियों के दूषित नीतियों के बारे में तीनो माओवादियों ने बताया कि आज माओवादी निर्दोष ग्रामीणों की पुलिस मुखबीरी के शक में जबरन हत्या,लोगों को बेवजह राशन सामानों के लिए परेशान करना,शासन के विकास कार्यो को नुकसान पहुचाना या पूरा नहीं होने देना, बस्तर के छोटे-छोटे युवक-युवतियों को बहला-फुसला या उनके परिवार वालो को डरा धमका का माओवादी संगठन में शामिल करना, बडे माओवादियों द्वारा छोटे कैडरों का शोषण करना, स्थानीय लोगो को शासन के विरुद्ध आंदोलन के लिए उकसाना एवं निर्माण कार्यो से जुडे ठेकेदारो से अवैध वसूली करने के लिए माओवादी संगठन को अड्डा बना लिये है। इन्ही सब स्थितियों को देखते हुये तथा हमारे साथियों द्वारा लगातार किये जा रहे समर्पण से प्रभावित होकर।

तीनों नक्सलियों के आत्मसर्पण में गरियाबंद पुलिस की श्व-30,एस टी एफ कोबरा 207 एवं सी आर पी एफ का योगदान रहा।साथ ही गरियाबंद में सक्रिय समस्त माओवादियों से गरियाबंद पुलिस अपील करता है कि आप आत्मसमर्पण हेतु गरियाबंद के किसी भी थाना/चौकी/कैम्प में* आत्मसमर्पण कर सकते है।

सोमवार को नगर में रहा बुलडोजर डे ,अतिक्रमण के खिलाफ चला मुहीम

गरियाबंद (समय दर्शन)। नगर में सोमवार सुबह 5 बजे से दोपहर तक बुलडोजर चला कर अतिक्रमणों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए तोड़ फोड़ किया गया।ज्ञात हो कि नगर के कब्रिस्तान में निर्माण हो रहे 23 कॉम्प्लेक्स को अतिक्रमण मानकर शासन के द्वारा निर्माण कार्य में रोक लगाया गया था,इस अधूरे निर्माणा हुए कॉम्प्लेक्स को तोड़ने की कार्यवाही सोमवार के सुबह पांच बजे से प्रारंभ किया गया।इस कार्यवाही को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद थी जिसके चलते सैकड़ों पुलिस जवान और विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियो की उपस्थिति में छै जेसीबी मशीन के माध्यम से घंटों की मशक्कत के बाद निर्माण हो रहे कॉम्प्लेक्स को तोड़ने की कार्यवाही किया गया।इसी तरह जिला पंचायत कार्यालय के सामने बनाए गए दो मकानों को अतिक्रमण मानकर कर उन्हें तोड़ा गया।इन कार्यों में तनाव और अशांति को देखते हुए पूरे बेदखली की कार्यवाही तक पुलिस अधिकारी पुलिस जवान और जिला प्रशासन मौके पर डटे रहे।

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने दिए नशीली पदार्थों पर सख्त कार्रवाई करने के दिए निर्देश

जिले में नशीली पदार्थों के नियंत्रण हेतु समन्वय समिति की बैठक संपन्न

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उइके एवं पुलिस अधीक्षक निखिल कुमार राखेचा ने संयुक्त रूप से कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में स्वापक औषधि मन: प्रभावी पदार्थो या नशीली पदार्थो के प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय समन्वय समिति, नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय समिति,तीन नए कानून एवं सड़क सुरक्षा समिति के संबंध में बैठक ली।इस दौरान बैठक में अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे,नवीन भगत,समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डी.पी ठाकुर,महिला बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी अशोक पाण्डेय,एनआईसी के उपनिदेशक नेहरू निराला, जिला परिवहन अधिकारी रविन्द्र ठाकुर,पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन अभियंता रामेश्वर सिंह,सहायक ड्रग कंट्रोलर संजय राजपूत सहित समन्वय समिति के सदस्यगण शामिल हुए।

उन्होंने बैठक में जिले में नशीली पदार्थों के प्रभावी नियंत्रण के लिए विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित कर रोकथाम की लगातार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। साथ ही जिले में सक्रियता के साथ नशीली दवाईयों के रोकथाम के लिए कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने पूर्व के बैठकों में दिये गये निर्देशों के तहत की गई कार्यवाही की भी समीक्षा की। साथ ही आगे भी लगातार कार्यवाही करने के निर्देश दिये।उन्होंने सीमा पार नशीली दवाईयों के आवागमन एवं दुकानों में अवैध रूप से बिक्री पर रोक लगाने,लगातार चेकिंग करने के निर्देश दिये।

साथ ही अवैध शराब,गांजा,जर्दायुक्त गुटखा पर भी लगातार कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने स्पर्श क्लिनिक की माध्यम से नशे की लत से पीड़ित मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार दिलाने के निर्देश दिये। साथ ही नशामुक्ति के लिए जारी टोलफ्री नम्बर 14446 एवं अवैध मादक पदार्थ की रिर्पोटिंग के लिए जारी मानस टोलफ्री एंटी नार्कोटिक्स हेल्पलाईन नम्बर 1933 के बारे में लोगों को अधिक से अधिक जागरूक करने के निर्देश दिये।इसी प्रकार जिले के स्कूल,कॉलेज परिसर,गार्डन,चौक-चौराहो या अन्य सार्वजनिक स्थानों में यदि नशा करने वाले असामाजिक तत्वों की गतिविधियां हो रही है या आपराधिक गतिविधियों एवं अपराधियों की जानकारी देने के लिए पुलिस प्रशासन के वाट्सअप हेल्पलाईन नम्बर 94792-25884 में शिकायत कर सकते है। सूचित करने वाले की जानकारी गोपनीय रखी जायेगी। उन्होंने अधिकारियों को उपरोक्त नम्बरों को सभी गांवों में दीवाल राइटिंग अधिक से अधिक करवाने एवं आवश्यक मुनादी भी करवाने के भी निर्देश दिये।श्री उइके ने स्कूलों के आसपास नशीली एवं मादक पदार्थों के बिक्री पर नजर रखते हुए तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिये।साथ ही इसका महिला एवं बाल विकास विभाग,नगरीय निकाय,ग्राम पंचायत,स्कूल एवं उच्च शिक्षा विभाग,आबकारी, स्वास्थ्य,समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को व्यापक प्रचार एवं दीवार लेखन भी कराने के निर्देश दिये।

बैठक में बताया गया कि अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफकठोर कार्यवाही के लिए नियमित जांच व हॉट स्पॉट की पहचान कर लगातार निगरानी,सीमाओं और तस्करी के मार्गों पर स्थाई रूप से सीसीटीवी कैमरा एवं पुलिस बल के माध्यम से नियमित रूप से चेकिंग की जा रही है।

बैठक में बताया गया कि स्पर्श क्लीनिक के माध्यम से नशे से लत पीड़ित मरीजों का उपचार के साथ-साथ काउंसलिंग की जा रही है। बैठक में बताया गया कि सड़कों पर बैठने वाले घुमंतु मवेशियों के लिए उचित व्यवस्था की जा रही है एवं सुरक्षित जगहों पर रखा जा रहा है। दुर्घटनाजन्य स्थलों का संयुक्त रूप से निरीक्षण कर सुधार किया जा रहा है।

रेशम कीट पालन से हितग्राहियों को मिली बड़ी सफलता

तितलियों के अंडे से कोकून निर्माण कर की 01 लाख रूपए से अधिक आमदनी

मुंगेली(समय दर्शन)। विकासखण्ड लोरमी अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरसल के ग्राम बटहा (नवागांव) में जिला प्रशासन से प्राप्त भूमि पर मनरेगा के तहत 33 हेक्टेयर भूमि में अर्जुन पौधों का रोपण कर रेशम विभाग द्वारा गठित समूह के हितग्राहियों को रेशम कीट पालन में बड़ी सफलता मिली है। सहायक संचालक घनश्याम सिंह धुर्वे ने बताया कि विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 की प्रथम फसल हेतु जुलाई-अगस्त में 01 हजार 255 तितलियों का अंडा प्रदान किया गया।

हितग्राहियों द्वारा इन अंडों से हैचिंग कर मात्र 45 दिनों की अवधि में कोकून निर्माण कार्य सम्पन्न किया गया। इस प्रक्रिया से लगभग 76 हजार कोकून का उत्पादन कर हितग्राहियों ने 01 लाख 65 हजार 647 रुपये का लाभ अर्जित किया। समूह के 06 सदस्यों द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले कोकून का उत्पादन किया गया, जिसे सेंट्रल सिल्क बोर्ड ईकाई बिलासपुर को बीज निर्माण हेतु विक्रय किया गया। इस कार्य में समय-समय पर अधीक्षक एवं तकनीकी मार्गदर्शकों द्वारा सतत सहयोग दिया गया।

डॉ. हेमंत खटकर ने ईमानदारी की मिशाल पेश की

बसना(समय दर्शन)। बसना सुखापाली निवासी शिक्षाविद डॉ हेमंत खटकर ने सड़क पर मिला सामान पुलिस को सौपा।

एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश करते हुए डॉ. हेमंत खटकर सहायक अध्यापक ने अपने आवश्यक काम के लिए विश्वविद्यालय से बाहर जा रहे थे ,तो देखा कि चार कार्टून सामान सड़क पर लावारिस पड़ा है। जिसमें ल्यूमिनस सोलर एनएक्सटी 130 एमआरपी 7400 रुपये लिखा है, इसका मूल्य 26900 होगा। आसपास पता करने पर सामान के मालिक का कुछ पता नहीं चला तो नेट में सर्च कर थाना आमानाका को फोन किया तत्पश्चात थाना आमानाका के द्वारा 112 गाड़ी में तैनात जवान का मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया, 112 वाहन में आए पुलिस के जवान अनिल चंद्राकर को डॉ. हेमंत खटकर ने अपनी जिम्मेदारी का परिचय देते हुए सामान को सुपुर्द किया। पुलिस ने सामान को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही हेतु थाने में जमा कर दिया।

112 प्रभारी अनिल चंद्राकर ने डॉ. खटकर की सतर्कता और ईमानदारी की सराहना करते हुए कहा ऐसे जागरूक नागरिक ही समाज को सुरक्षित और बेहतर बनाते हैं। डॉ. साहब ने जो कार्य किया है वह सभी के लिए प्रेरणादायक है, डॉ.खटकर का यह कदम दर्शाता है कि समाज में आज भी सजग, जिम्मेदार और ईमानदार नागरिक मौजूद है, जो दूसरों को भलाई के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं।

नई दिल्ली में शिक्षक संगठनों की बड़ी बैठक, ऑल इंडिया टीचर फेडरेशन का हुआ गठन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। देशभर के शिक्षकों की एकजुट आवाज अब और बुलंद होने जा रही है। टेट परीक्षा की अनिवार्यता के विरोध में देश के विभिन्न शिक्षक संगठनों ने राजधानी दिल्ली में आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में सर्वसम्मति से ऑल इंडिया टीचर फेडरेशन के गठन का निर्णय लिया गया। संगठन का उद्देश्य स्पष्ट है-वर्तमान में कार्यरत शिक्षकों को टेट परीक्षा से मुक्त कराना।दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन भवन में 5 अक्टूबर को आयोजित इस बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से शिक्षक प्रतिनिधि शामिल हुए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 1 सितंबर 2025 को जारी उस आदेश के विरोध में यह रणनीति बनाई गई, जिसमें कार्यरत शिक्षकों के लिए टेट अनिवार्य किया गया है। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस आदेश को न्यायालय में चुनौती दी जाएगी, साथ ही नवंबर माह में दिल्ली के रामलीला मैदान में एक विशाल विरोध प्रदर्शन भी किया जाएगा। छत्तीसगढ़ से भी प्रमुख शिक्षक संगठन इस बैठक में शामिल हुए। छत्तीसगढ़ संयुक्त शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष केदार जैन, छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन के अध्यक्ष मनीष कुमार मिश्रा, सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के महासचिव एवं सर्व शिक्षक एलबी कल्याण समिति के सचिव शेषनाथ पाण्डेय, और समिति के प्रदेश संचालक रविंद्र राठौर ने इस बैठक में भाग लिया। इन सभी ने ऑल इंडिया टीचर फेडरेशन के साथ मिलकर देशव्यापी आंदोलन को समर्थन देने की घोषणा की। बैठक में उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों के शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए और सामूहिक रूप से टेट अनिवार्यता के खिलाफएक मजबूत रणनीति पर चर्चा की गई। इस संबंध में जानकारी देते हुए छत्तीसगढ़ जागरूक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जाकेश साहू ने बताया कि अब यह लड़ाई सिर्फएक राज्य की नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों की है। टेट की अनिवार्यता शिक्षकों के साथ अन्याय है और इसे हर स्तर पर चुनौती दी जाएगी।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26